राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 25 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-186 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

गगनयान मिशन की तैयारी: इसरो-ड्रडो और सेना के साझा ऑपरेशन को मिली बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन की दिशा में एक और बड़ी सफलता मिली है। रविवार को इसरो ने श्रीहरिकोटा में पहला एयर ड्रॉप टेस्ट (आईएडीटी-01) सफलतापूर्वक पूरा किया। इस परीक्षण के तहत भारतीय वायुसेना के चिनूक हेलिकॉप्टर ने 4 किलोमीटर की ऊंचाई से क्रू मॉड्यूल को पैराशूट की मदद से समुद्र में उतारा।

इस मिशन का उद्देश्य गगनयान से लौटते समय उपयोग होने वाले पैराशूट सिस्टम की विश्वसनीयता और मजबूती की जांच करना था। वैज्ञानिक यह देखना चाहते थे कि मॉड्यूल के साथ जुड़े पैराशूट समय पर खुलें और सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित कर सकें। यह एक ज्वाइंट ऑपरेशन था, जिसमें सभी सेनाओं की भागीदारी रही है। यह परीक्षण भारतीय वैज्ञानिक और सुरक्षाबलों की संयुक्त क्षमता का प्रमाण रहा। ऑपरेशन में इसरो, भारतीय वायुसेना, डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड ने मिलकर काम किया। समुद्र में सुरक्षित लैंडिंग के बाद नौसेना और कोस्ट गार्ड की टीमों ने क्रू मॉड्यूल को रिकवर किया।

गगनयान क्यों है खास?

गगनयान मिशन भारत को स्पेस में इंसान भेजने वाला चौथा देश बनाएगा। (अब तक केवल रूस, अमेरिका और चीन ही यह उपलब्धि हासिल कर पाए हैं।) मिशन की सफलता भारत को खुद का स्पेस स्टेशन बनाने की दिशा में आगे बढ़ाएगी। यह प्रोजेक्ट भारत की स्पेस इंडस्ट्री में वैश्विक साख को मजबूत करेगा। रिसर्च और डेवलपमेंट के क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। विदेशी सहयोग और निवेश में वृद्धि होगी, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधा फायदा पहुंचेगा।

विशेषज्ञों की मानें तो 2035 तक स्पेस इकोनॉमी 1.8 ट्रिलियन डॉलर (154 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच जाएगी। गगनयान जैसे मिशन भारत को इस तेजी से बढ़ते सेक्टर में मजबूती से खड़ा करेंगे। वहीं इसरो के वैज्ञानिकों का कहना है कि

आने वाले महीनों में और भी परीक्षण किए जाएंगे, जिनमें क्रू एस्केप सिस्टम, हीट शील्ड टेस्ट और अनमैन्ड प्री-कर्सर मिशन शामिल होंगे। इसके बाद 2026 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री गगनयान में सवार होकर पृथ्वी की कक्षा में जाएंगे।

68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में शामिल होंगे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

नई दिल्ली । 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन बारबाडोस में होने जा रहा है। ये सम्मेलन 5 से 12 अक्टूबर 2025 तक चलेगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला इसमें भाग लेने के लिए ब्रिजटाउन, बारबाडोस जाएंगे। साथ ही राज्यसभा के उपसभापति, 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी और सचिव भी सम्मेलन में भाग लेंगे। बिरला इस सम्मेलन की आम सभा को राष्ट्रमंडल- ग्लोबल पार्टनर विषय पर संबोधित करेंगे। आम सभा और कार्यशालाओं के अलावा, एक युवा गोलमेज सम्मेलन भी होगा जिसका विषय है 'सुरक्षित और स्वतंत्र रहकर उन्नति करना । गैंग वॉयलेन्स से लेकर साइबर-बुलिंग तक की आधुनिक चुनौतियों पर विजय पाने के लिए युवाओं को सशक्त बनाना। इसी संबंध में 24 अगस्त 2025 को माननीय लोक सभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में विभिन्न मंत्रालयों की ब्रीफिंग बैठक आयोजित की गई, जिसमें भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों को सम्मेलन के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई थी।

सीरियाई नागरिक गिरफ्तार, हो रही जांच

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के वीडियो भी मिले हैं।

डीके शिवकुमार के बाद कांग्रेस विधायक ने गाई संघ की प्रार्थना

बोले-मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती; हमारी पार्टी सेक्युलर, अच्छी बातें अपनानी चाहिए

बेंगलुरु। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बाद अब एक और कांग्रेस विधायक ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रार्थना गाई है। तुमकुरु जिले के कुनिगल से विधायक एचडी रंगनाथ ने रविवार को पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे की पंक्तियां पढ़ी और इसे बहुत अच्छा गीत बताया। उन्होंने कहा कि मैंने इसे पहली बार तब सुना जब डिप्टी सीएम ने विधानसभा में गाया। मुझे इसमें कोई बुराई नहीं लगती। हमारी पार्टी सेक्युलर है और हमें दूसरों से अच्छी बातें अपनानी चाहिए। इससे पहले डीके शिवकुमार ने 21 अगस्त को विधानसभा के अंदर आरएसएस की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे की 2 लाइनें गाकर सबको चौंका दिया था। इसे उनके भाजपा में जाने के संकेतों के रूप में देखा जा रहा था। हालांकि, शिवकुमार ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा था कि मैं जन्मजात कांग्रेसी हूं।

अयोध्या के राजा विमलेंद्र मोहन का निधन

अयोध्या । अयोध्या के राजा कहे जाने वाले विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र (पप्पू भैया) का निधन हो गया। वह 71 साल के थे। बीपी के पेशेंट थे। शनिवार रात 12 बजे उन्होंने अयोध्या स्थित राज सदन आवास पर अंतिम सांस ली। विमलेंद्र मोहन श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य थे। विमलेंद्र मोहन, अयोध्या की राजा दर्शन सिंह वंशावली से जुड़े हुए थे। विमलेंद्र की माता का नाम विमला देवी और पिता का नाम डॉक्टर रमेंद्र मोहन मिश्र था। अयोध्या की महारानी विमला देवी के दो बेटे हुए, विमलेंद्र और शैलेंद्र। बड़े होने के कारण राजवंश का प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी विमलेंद्र मोहन को मिली। लोग उन्हें अयोध्या का राजा कहकर पुकारने लगे।

एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला परीक्षण सफल, ड्रोन अटैक में बनेगा रक्षा कवच

चांदीपुर।

भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम (आईएडीडब्ल्यूएस) का पहला परीक्षण किया। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल किए गए हैं।

यह परीक्षण शनिवार को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। आईएडीडब्ल्यूएस सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच का काम करेगा। पीएम मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। परीक्षण के दौरान इस सिस्टम ने दो हाई स्पीड फिक्स विंग अनमैन्ड ड्रोन, मल्टी कॉप्टर ड्रोन समेत तीन अलग-अलग टारगेट पर अटैक किया। ये तीनों टारगेट अलग-अलग दूरी और ऊंचाई पर थे। आईएडीडब्ल्यूएस ने इन तीनों को एक साथ निशाना बनाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। सिस्टम का कॉन्सेप्ट इस तरह से तैयार किया गया कि पहले रडार यूनिट आने वाले खतरों पर नजर रखती है और उन्हें क्लासिफाई करती है। इसके बाद कमांड सेंटर ज्यादा ऊंचाई से आने वाले खतरों के लिए क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल को निर्देश देता है। कम रेंज वाले और धीमी गति से होने वाले हमले के लिए एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें सक्रिय होती हैं। इसके साथ ही साथ ड्रोन और चीप सैचुरेटेड अटैक के लिए लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन हमला करते हैं। इस सिस्टम के सफल परीक्षण से भारत की इग्ला और सीआईडब्ल्यूएस जैसे विदेशी डिफेंस सिस्टम पर निर्भरता कम हो जाएगी। पंजाब के आदमपुर एयरबेस से 13 मई

को पीएम मोदी ने जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ की थी, वह भारत का आकाशतीर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। ऑपरेशन सिंदूर में इसकी मदद से ही पाकिस्तान के सैकड़ों ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट को मार गिराया गया था। इसे भारत का आयरन डोम कहा गया है। आकाशतीर एक स्वदेशी एआई-पावर्ड एयर डिफेंस सिस्टम है जिसे भारतीय सेना के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ), इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने संयुक्त रूप से डिजाइन और डेवलप किया है।

फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए

नई दिल्ली ।

फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी लिगामामादा राबुका तीन दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। वह रविवार को दिल्ली पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने उनका स्वागत किया। फिजी के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी सुलुएती राबुका भी हैं। प्रतिनिधिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री रातू अटोनियो लालबालावु और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री राबुका के आगमन की जानकारी साझा करते हुए लिखा, फिजी के प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका का अपनी पहली यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है। प्रधानमंत्री राबुका का एयरपोर्ट पर केंद्रीय मंत्री सुकांता मजूमदार ने स्वागत किया। यह यात्रा विविध क्षेत्रों में साझेदारी को और गहरा करेगी। अपनी भारत यात्रा के दौरान फिजी के प्रधानमंत्री सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से फिजी के पीएम के लिए लंच का आयोजन होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री सिटिवेनी राबुका भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने अगस्त 2024 में फिजी का दौरा किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय का मानना है कि प्रधानमंत्री राबुका की यह यात्रा भारत और फिजी के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है। यह यात्रा दोनों देशों की द्विपक्षीय संबंधों को सभी क्षेत्रों में मजबूत करने और हमारे लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब भारत और फिजी ने जुलाई 2025 में सुवा, फिजी में विदेश कार्यालय परामर्श (एफओसी) के छठे दौर का आयोजन किया था। इस दौरान दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, व्यापार और निवेश, कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की और उसे बढ़ाने पर चर्चा की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय की सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने किया, जबकि फिजी की ओर से विदेश मामलों की स्थायी सचिव राइजे ली टागा ने प्रतिनिधित्व किया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और उच्च स्तरीय राजनीतिक संपर्क बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मेरे समुदाय के लोग भी मेरे फैसले की कर रहे आलोचना: सीजेआई गवई

अनुसूचित जातियों के आरक्षण को लेकर दिया था ऐतिहासिक फैसला

पणजी।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि उन्हें अनुसूचित जातियों के आरक्षण में उपवर्गीकरण पर दिए गए अपने फैसले को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि उनकी ही जाति के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। गोवा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि मेरे समुदाय के लोगों ने भी इस फैसले की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन मैं मानता हूं कि मुझे अपने फैसले जनता की अपेक्षाओं के मुताबिक नहीं, बल्कि कानून की समझ और अपनी अंतरात्मा से लिखने होते हैं।

बता दें अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संवैधानिक पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से एक समान वर्ग नहीं हैं और राज्यों को उनमें उपवर्गीकरण करने का अधिकार है, ताकि सबसे वंचित तबकों को आरक्षण का लाभ मिल सके। गवई ने कहा कि आरक्षण से 'क्रीमी लेयर' को बाहर करने की उनकी राय पर भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि क्या मुंबई या दिल्ली के बेहतरीन स्कूलों में पढ़ने वाले किसी आईएएस अधिकारी के बेटे-बेटी की तुलना उस मजदूर या किसान के बच्चे से की जा सकती है जो गांव की जिला परिषद या ग्राम पंचायत स्कूल में पढ़ रहा है? उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 14

सभी के बीच समानता नहीं, बल्कि असमानों के बीच असमान व्यवहार कर उन्हें समान बनाना सुनिश्चित करता है। सीजेआई गवई ने सुप्रीम कोर्ट के उस हालिया फैसले का भी जिक्र किया जिसमें अवैध बुलडोजर कार्रवाई रोकने और नियमित प्रक्रिया का पालन करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन-दिवसीय वार्षिक समन्वय बैठक जोधपुर में

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके 32 सहयोगी संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी अगले महीने राजस्थान के जोधपुर जिले में तीन-दिवसीय वार्षिक समन्वय बैठक के लिए एकत्रित होंगे, जिसमें संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों सहित कई समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी. तीन-दिवसीय बैठक पांच सितंबर से शुरू होगी. इस बैठक के लिए जोधपुर में तैयारियां शुरू कर दी गई है. सूत्रों ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस के भाषण में उठाए गए ''प्रमुख मुद्दों और अवैध घुसपैठ से उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर एक उच्च-स्तरीय जनसांख्यिकी मिशन स्थापित करने की उनकी घोषणा पर भी चर्चा हो सकती है. आरएसएस के राष्ट्रीय प्रचार और मीडिया विभाग प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक बयान में कहा, ''इस साल अखिल भारतीय समन्वय बैठक विक्रम संवत 2082, भाद्रपद शुक्ल त्रयोदशी, चतुर्दशी और पूर्णिमा यानी पांच, छह और सात सितंबर 2025 को राजस्थान के जोधपुर में आयोजित की जाएगी.

राहुल गांधी के बेतुके बयानों से पार्टी के सांसद ही महसूस करते हैं असहज

रिजिजू बोले- कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभाने में नाकाम साबित हो रही

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयानों को बेतुका बताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता जब भी बोलते हैं तो उनकी ही पार्टी के सांसद असहज महसूस करते हैं। ऐसा इसलिए है कि बाद में उन्हीं बयानों की कीमत कांग्रेस को चुकानी पड़ती है। रिजिजू ने यह भी कहा कि हर लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है, लेकिन कांग्रेस इस भूमिका को निभाने में नाकाम साबित हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। मैं उनकी आलोचना नहीं करना चाहता, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें फटकार लगाई थी जब उन्होंने पीएम मोदी को 'चोर' कहा, राफेल पर बेतुकी बातें कीं और दावा किया कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया। उन्हें एक भारतीय की तरह बोलना चाहिए।

रिजिजू ने राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता जॉर्ज सोरस और खालिस्तानी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी बहुत खतरनाक रास्ते पर जा रहे हैं। जॉर्ज सोरस कहते हैं कि एक ट्रिलियन डॉलर भारत सरकार को अस्थिर करने के लिए रखा है।

राहुल गांधी ने भरी हुंकार कहा-

किसी भी हाल में वोट चोरी नहीं होने देंगे

कटिहार।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर दावा करते हुए कहा है कि किसी भी सूरत में वोट चोरी नहीं होने देंगे। हर एक नागरिक को वोट का अधिकार दिलाने के लिए कांग्रेस संघर्ष करेगी। राहुल गांधी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव वोटर अधिकार यात्रा के दौरान शनिवार की शाम कटिहार के कदवा पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए एसआईआर को लेकर कहा कि भाजपा और चुनाव आयोग आपके वोट को चुराने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा आपके मतदान के अधिकार को छीनने की पूरी कोशिश कर रही है। भाजपा संविधान को नष्ट करना चाहती है और दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के अधिकारों पर हमला कर रही है।

राहुल गांधी ने अपने संबोधन में कहा कि देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक विचारधारा हमारी है, जो संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए खड़ी है और दूसरी विचारधारा संविधान को समाप्त करने की है। उन्होंने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। इससे पहले यात्रा के 7वें दिन राहुल गांधी अन्य नेताओं के साथ कटिहार पहुंचे और मखाना किसानों से मुलाकात की। इस दौरान वे किसानों के साथ तालाब में उतरे और मखाना भी फोड़ा। उन्होंने किसानों की समस्याएं भी जानीं। दूसरे राज्यों की तरह बिहार में वोट चोरी की कोशिश कर रही है, लेकिन बिहार में हम ऐसा नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों की वजह से दलितों और पिछड़ों के लिए सेना और सार्वजनिक क्षेत्र में दरवाजे बंद होते जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि लाखों बिहारी लोगों के वोटिंग अधिकार छीने जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप के टैरिफ एक्शन पर भारत का पहला रिएक्शन - 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए डाक सेवा बंद

(लेखक - एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं)

विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिका की नीतियां हमेशा निर्णायक भूमिका निभाती रही हैं।विशेषकर जब डोनाल्ड ट्रंप की बात आती है, तो उनके निर्णय त्वरित, कठोर और कभी-कभी विवादास्पद भी माने जाते हैं। ट्रंप का हालिया टैरिफ एक्शन न केवल चीन और रूस जैसी अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है, बल्कि भारत भी इसके सीधे असर से अछूता नहीं है। इस नए टैरिफ वार के परिणाम स्वरूप भारत ने 25 अगस्त से एक बड़ा कदम उठाया-डाक सेवाओं को सीमित करना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पार्सल व गिफ्ट आइटम्स की सप्लाई को रोकना। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि कहीं ना कहीं यह फैसला भारत की आर्थिक, सामाजिक और राजनयिक स्थिति को प्रभावित करने वाला है।इसलिए आज हम मीडिया में हो उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप के टैरिफ एक्शन पर भारत का पहला रिएक्शन- 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए डाक सेवा (पोस्टल सर्विसेज) बंद।

साथियों बात अगर हम सरकार के 25 अगस्त सेअमेरिका के लिए डाक सेवा बंद करने के फैसले के प्रभाव को 10 पॉइंट में समझने की करें तो (1) अब केवल 100 डॉलर (8700 रुपए) कीमत वाले गिफ्ट आइटम्स और लेटर- डॉक्यूमेंट्स ही भेजे जा सकेंगे-नई व्यवस्था के तहत भारत से विदेश भेजे जाने वाले सामान पर सख्त पाबंदी लग गई है। केवल वे ही गिफ्ट आइटम्स जिनकी कीमत 100 डॉलर यानी लगभग 8700 रुपए तक है, भेजे जा सकेंगे। इसके अलावा चिट्ठियां और लेटर डॉक्यूमेंट्स की अनुमति होगी। इसका अर्थ यह है कि बड़े पैमाने पर पार्सल, ई-कॉमर्स प्रोडक्ट्स, छोटे उद्योगों के सामान, और अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े पैकेज विदेश नहीं भेजे जा सकेंगे। इससे भारतीय एमएसएमई और स्टार्टअप कंपनियां,जो अपने उत्पाद विदेशों में बेच रही थीं, सीधे प्रभावित होंगी। (2) पत्राचार की अनुमति लेकिन व्यापारिक गतिविधियों पर रोक-भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत संचार, यानी लेटर और दस्तावेज भेजने पर कोई पाबंदी नहीं होगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कूटनीतिक और सामाजिक स्तर पर संवाद जारी रहना आवश्यक है। लेकिन व्यापारिक दृष्टि से यह एक बड़ा झटका है। जो लोग विदेशों में अपने परिजनों या ग्राहकों को गिफ्ट आइटम्स भेजते थे, वे अब सीमित रह जाएंगे। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत ने व्यापारिक दबाव का सामना करने के लिए अपनी डाक सेवाओं को अस्थायी रूप से पुनर्गठित किया है।(3) पहले से बुक किए गए सामान पर पेमेंट वापसी-सरकार और डाक विभाग ने भरोसा दिलाया है कि जो ग्राहक पहले ही सामान बुक कर चुके हैं और जिनका पार्सल अब नहीं भेजा जा सकता, उन्हें पूरा भुगतान वापस किया जाएगा। यह उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा की दिशा में सही कदम है। लेकिन यह व्यवस्था केवल अस्थायी राहत है, क्योंकि निर्यातक और ई-कॉमर्स कंपनियों को पहले से हुए निवेश और तैयार माल पर भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। (4) आम जनता पर असर-डाक सेवाओं की यह रोक आम जनता पर गहरा असर डालेगी। विदेशों में बसे परिजनों को गिफ्ट भेजने वाले परिवार, छात्र और कामकाजी लोग सीधे प्रभावित होंगे। छोटे व्यवसाय और हस्तशिल्प उद्योग, जो डाक सेवाओं के माध्यम से अपना सामान विदेश भेजते थे, अब बाजार खो देंगे। भारतीय त्योहारों के सीजन में यह फैसला विशेष रूप से दर्दनाक साबित हो सकता है। साथ ही, ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों के वे लोग, जिनके लिए डाक सेवा ही अंतरराष्ट्रीय संचार और व्यापार का मुख्य माध्यम थी, अब ठहराव का सामना करेंगे। (5) निर्यात में 40 से 50 पेर्सेंट की कमी का अनुमान-विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा। अनुमान है कि 40 से 50त्न तक का नुकसान हो सकता है।एमएसएमई क्षेत्र, जो भारत के निर्यात का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, सबसे अधिक प्रभावित होगा। कपड़ा, हस्तशिल्प, ज्वेलरी, आयुर्वेदिक उत्पाद, और छोटे पैमाने के तकनीकी उपकरण जैसे क्षेत्र संकट में पड़ जाएंगे। यह कमी भारत के विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता संतुलन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालेगी।(6)भारत में जीएसटी सुधार और नई स्लैब व्यवस्था-इन सबके बीच भारत सरकार ने घरेलू मोर्चे पर जीएसटी सुधार लागू करने का निर्णय लिया। ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने 5 पेर्सेंट से 18 पेर्सेंट की जीएसटी स्लैब को मंजूरी दी है। इसका उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है। हालांकि, यह कदम घरेलू व्यापारियों के लिए राहतकारी हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर लगी पाबंदियों के कारण इसका लाभ सीमित रह जाएगा। यह सुधार भारत की आत्मनिर्भर भारत नीति के अनुरूप है, जो घरेलू खपत और उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में है।(7) 50पेर्सेंट टैरिफ लागू होने का वैश्विक असर-25 अगस्त से लागू होने वाले 50 पेर्सेंट टैरिफ का असर केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ पर पड़ेगा।अमेरिकी बाजार में भारतीय उत्पाद महंगे हो जाएंगे और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता घट जाएगी। वहीं चीन और रूस भी इस टैरिफ का सामना कर रहे हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला असंतुलित हो सकती है। यूरोप और मध्य एशिया के बाजार भारत के लिए नए अवसर बन सकते हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए लॉजिस्टिक और कूटनीतिक निवेश की आवश्यकता होगी।(8) अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर प्रभाव-भारत का यह कदम केवल आर्थिक ही नहीं बल्कि कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।अमेरिका को स्पष्ट संदेश गया है कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए कठोर कदम उठाने में सक्षम है। हालांकि,यह भारत- अमेरिका संबंधों में तनाव भी पैदा कर सकता है। वहीं चीन और रूस जैसे देशों के लिए भारत एक रणनीतिक सहयोगी के रूप में और मजबूत हो सकता है। इस पूरी स्थिति से वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों को भी सबक मिलेगा कि वे अमेरिका-प्रेरित नीतियों के दबाव में अपने व्यापारिक हितों की रक्षा कैसे करें। (9) ट्रंप के टैरिफ एक्शन के बाद भारत द्वारा उठाए गए कदम बहुआयामी हैं। डाक सेवाओं पर रोक, निर्यात में कमी का अनुमान, जीएसटी सुधार और वैश्विक व्यापार में नए समीकरण,ये सभी घटनाएं 21वीं सदी के बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को दर्शाती हैं। आने वाले समय में भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आर्थिक रणनीति दोनों को मजबूत करना होगा। निर्यातकों और आम जनता को राहत देने के लिए सरकार को नए रास्ते तलाशने होंगे। वहीं, वैश्विक स्तर पर भारत के सामने अवसर भी हैं—यूरोप, अफ्रीका और एशियाई देशों के साथ नए व्यापार समझौते करके भारत इस संकट को अवसर में बदल सकता है।

साथियों बातें अगर हम इ-कॉमर्स कंपनियों पर असर पड़ने की करें तो भारत की ई-कॉमर्स कंपनियां जैसे फ्लिपकार्ट,मीशो एक्सपोर्ट, अमेज़ॉन इंडिया (ग्लोबल सेलर्स प्रोग्राम) और कई स्टार्टअप्स अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर हैं। इन कंपनियों का बड़ा हिस्सा अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर को डाक सेवाओं या लॉजिस्टिक चैनलों से पूरा करता है। डाक सेवाओं के रुकने और 100 डॉलर की सीमा लागू होने से इन कंपनियों का वैश्विक कारोबार बुरी तरह प्रभावित होगा। विशेष रूप से हस्तशिल्प, कपड़ा, ज्वेलरी, घरेलू सजावट और आयुर्वेदिक उत्पाद बेचने वाले छोटे विक्रेता नुकसान में रहेंगे। अमेज़ॉन और फ्लिपकार्ट जैसी बड़ी कंपनियां निजी लॉजिस्टिक और कुरियर नेटवर्क का उपयोग करके कुछ हद तक इस नुकसान को झेल सकती हैं, लेकिन छोटे और मध्यम विक्रेताओं (एमएसएमई) के लिए यह एक आर्थिक झटका होगा। कई छोटे निर्यातक, जिन्होंने मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भरोसा किया था, उनके कारोबार में गिरावट आ सकती है। यह स्थिति भारतीय सरकार के लिए चुनौती है कि वह ई-कॉमर्स सेक्टर को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक रास्ते बनाए।

साथिया बातें अगर हम भारतीय डायस्पोरा पर असर पढ़ने की करें तो,भारत का प्रवासी समुदाय यानी डायस्पोरा, जो दुनिया के लगभग हर देश में फैला हुआ है, इस निर्णय से गहराई से प्रभावित होगा। अमेरिका, यूरोप, खाड़ी देशों और ऑस्ट्रेलिया में बसे भारतीय अक्सर भारत से सामान मंगवाते हैं-त्योहारों के अवसर पर मिठाइयां, कपड़े, पूजा सामग्री और पारंपरिक गिफ्ट्स। डाक सेवाओं पर लगी पाबंदी के कारण यह सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंध कमजोर पड़ सकते हैं। भारतीय डायस्पोरा न केवल अपनी पहचान और परंपरा से जुड़े रहने के लिए भारत से सामान मंगाते हैं, बल्कि छोटे व्यापारिक स्तर पर भी उनका भारत के साथ सीधा संबंध होता है। अब उन्हें स्थानीय बाजार या तीसरे देशों से महंगे दामों पर सामान खरीदना पड़ेगा। यह स्थिति भारत-प्रवासी संबंधों को तनावपूर्ण बना सकती है। साथ ही, जो छात्र और पेशेवर विदेशों में रहते हैं, वे भी अपने परिजनों से भेजे जाने वाले छोटे गिफ्ट्स और आवश्यक वस्तुओं से वंचित रहेंगे। इससे भारतीय डायस्पोरा में असंतोष की भावना पैदा हो सकती है, और दीर्घकाल में भारत सरकार पर इस निर्णय को पुनर्विचार करने का दबाव बढ़ सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप के टैरिफ एक्शन पर भारत का पहला रिएक्शन- 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए डाक सेवा (पोस्टल सर्विसेज)बंदभारत की ई-कॉमर्स कंपनियां, कई स्टार्टअप्स अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर हैं,अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर को डाक सेवाओं या लॉजिस्टिक चैनलों से पूरा करतेहैं,उन पर असर पड़ेगा भारत का अधिकतम निर्यातक एमएसएमई क्षेत्र, यानें कपड़ा, हस्तशिल्प,ज्वेलरी,आयुर्वेदिक उत्पाद और छोटे पैमाने के तकनीकी उपकरण जैसे क्षेत्र संकट में पढ़ने की संभावना हैं।

(संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एक जटिल चुनौती

यूं तो देश में आवारा कुत्तों के संकट को लेकर गाहे-बगाहे सवाल उठते रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली के आवारा कुत्तों को लेकर आए सख्त निर्देश ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार व स्थानीय निकायों से कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि, समस्या की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं क्योंकि फिलहाल कुत्तों के लिये ऐसे आश्रय स्थल उपलब्ध नहीं हैं। निस्संदेह, जन सुरक्षा की चिताएं अपनी जगह जायज हैं। बताते हैं कि दिल्ली में रोजाना 2000 तक कुत्ते के काटने की घटनाएं होती हैं। साथ ही रेबीज़ के मामले भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बड़ी समस्या का समाधान सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल देशभर में कुत्तों के द्वारा काटने के बाइस लाख मामले सामने आए हैं। निस्संदेह, यह एक जटिल चुनौती है और इसके समाधान के लिये एक दीर्घकालिक, तार्किक व परामर्शी रणनीति की आवश्यकता है। इस अभियान में नगर निकाय, पशु चिकित्सक, पशु कल्याण से जुड़े संगठनों और स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। निर्विवाद रूप से इस संकट के मूल में असली समस्या खराब शहरी नियोजन,पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी तथा टीकाकरण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से जुड़ी खामियों की है। देश के शहरों, कस्बों और गांवों के कूड़े के ढेर खुले बूचड़खानों के कचरे से भरे रहते हैं। जहां आवारा कुत्तों की आबादी फल-फूल रही है। नगर निकायों द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और रेबीज़-रोधी टीकाकरण अभियान इन आवारा कुत्तों की संख्या को कम करने में विफल रहे हैं। निर्विवाद रूप से इस मद के लिये पर्याप्त बजट न होना और कर्मचारियों की कमी इन प्रयासों में बाधा डालती रही है। इस बीच सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर आए दिन टकराव देखा जाता रहा है। दरअसल, देश में पशु प्रेमियों की भी एक बड़ी आबादी है। भारत में पशु-पक्षियों के कल्याण व संरक्षण की समृद्ध परंपरा रही है। गाय व श्वान का ग्रास देना संस्कृति का हिस्सा रहा है। सोमवार को दिल्ली में आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में भेजने के खिलाफ कुछ लोगों ने प्रदर्शन किया तो कुछ लोग हाथ में कई तख्तियां लिए हुए थे, जिसमें लिखा था कि काल भैरव सब देख रहे हैं। दरअसल, हिंदू मान्यताओं के अनुसार जीव संरक्षण के लिये हर देवी-देवता के साथ वन्य जीव, पशु-पक्षियों को दर्शाया गया है। यहां तक कि श्राद्ध के अवसर पर गाय, कौवे व कुत्ते के लिये अन्न ग्रास निकाला जाता है। सदियों से मनुष्य के अंग-संग कुत्ता रहा है। कहा जाता है कि पांडवों के स्वर्गारोहण के वक्त उनके साथ एक श्वान चला था। लेकिन आज शहरों में फ्लैट संस्कृति में पालतू जानवरों की भूमिका खत्म होने से वे सड़कों पर आ गए। यहां सवाल उनके आक्रामक होने पर भी हैं। दरअसल, आम लोग मांसाहारी भोजन के अवशेष कचरे में फेंक देते हैं, जिससे उनमें आक्रामकता आती है। वहीं जानवरों में असुरक्षाबोध भी उन्हें आक्रामक बना देता है। दुनिया के तमाम छोटे-बड़े देशों ने इस समस्या के निवारण हेतु समाधान निकाले हैं। भारत जैसे विशाल देश में संसाधनों के अभाव में पशु कल्याण की प्राथमिकता व्यावहारिक नहीं है। विदेशों में पालतू कुत्तों को पालना भी बहुत महंगा है और सख्त कानूनों से संख्या का नियमन भी किया गया। वहां कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण के लिये पुलिस बल तैनात किए गए हैं। साथ ही कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और लोगों को इन्हें गोद लेने के लिये प्रेरित करके समस्या का समाधान तलाशा गया। भूटान का उदाहरण सामने है जिसने व्यापक वित्त पोषित राष्ट्रीय अभियान के जरिये कुत्तों की पूर्ण नसबंदी का लक्ष्य हासिल किया।

वॉटरशेड- साकार होता विकसित भारत का सपना

(लेखक - शिवराज सिंह चौहान)

जल और मिट्टी संरक्षण से कृषि और किसान समृद्धि की ओर

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का रास्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है। आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक (ङ्घष्ठष्ट-क्करूस्ङ्घ)' को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- 'खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में'। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं। इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का स्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8त्न से लेकर 70त्न तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने ₹20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल स्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी ₹50,000 से ₹60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी ₹1 लाख से ₹ 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है। इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रोज़गार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा नए इलाक़े में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16त्न का इज़ाफा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12% बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने 'वॉटरशेड यात्रा' भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। 'भुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)' और 'दृष्टि' मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5% की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16% की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं।

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दर्शाता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

विचार मंथन

पाकिस्तान में दामाद कुस्नर को सेट किया ट्रंप ने

(लेखक - सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पाकिस्तान के साथ प्रेम अब खुलकर समझ में आने लगा है। उन्होंने एक तीर से दो शिकार किए हैं। पाकिस्तान आर्मी के आसिफ मुनीर को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना मोहरा बना लिया है। पाकिस्तान में अरबो रुपए का तेल भंडार है। पाकिस्तान की तीन बड़ी सरकारी कंपनियों पर पाकिस्तान की सेना का दबदबा है।

मुनीर के माध्यम से अमेरिका के राष्ट्रप ति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दामाद जैरेंड कुशनर की कंपनी एफिनिटी पार्टनर्स जो सऊदी अरब में तेल का कारोबार करती है। मुनीर के जरिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के तेल उत्खनन और तेल कारोबार में अपने दामाद को सेट कर दिया है। पाकिस्तान के साथ ट्रम्प ने अमेरिका और अपने परिवार के रिश्तों को बेहतर बना लिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार तेल खनन के इस काम में लगभग 3 लाख करोड रुपए पाकिस्तान सेना को जल्द ही अमे रिका एवं अन्य माध्यम से मिलने वाले हैं। ट्रंप के दामाद की नजर पाकिस्तान के तेल और अर्थ मिनरल की ओर है।

अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद सारी दुनिया के देशों में ट्रंप ने अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए अपने पद और प्रभाव का उपयोग किया जा रहा है। यह बात अब खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान की सत्ता हमेशा सेना के ईद-गिर्द घूमती है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आसिफ मुनीर के जरिए पाकिस्तान पर एक तरह से अपना आधिपत्य जमा लिया है। सही मायने में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डोनाल्ड ट्रंप फॉलो कर रहे हैं? मोदी कार्यकाल में पिछले 11 वर्षों में जिस तरह से गौतम अडानी ने अपने कारोबार को दुनिया के कई देशों में फैलाया है। उसी को आधार बनाकर डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में अपने परिवार को सेट करने में लग गए हैं। अमेरिकी कानून के अनुसार दूसरे कार्यकाल के बाद वह राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। जिसके कारण वह अपने दूसरे कार्यकाल में अपने प रिवार के कारोबार को कई देशों में फैलाने का काम उनकी पहली प्राथ मिकता है। पा किस्तान में क्रिप्टो करेंसी का व्यवसाय उनकी बड़ी प्राथ मिकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच में सीज फायर कराकर भारत के हितों पर चोट पहुंचाने का जो काम किया है। उसके कारण भारत को आर्थिक और सामरिक दोनों ही क्षेत्र में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

जो पाकिस्तान भारत के सामने आंख भी नहीं मिला सकता था, अब वह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प की शह पर भारत को आंखें दिखाने लगा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार के जरिए परिवारबाद का यह नया खेल शुरू हुआ है। अभी तक जहां राज तंत्र स्थापित था, वहां इस तरह से व्यापारिक और सामरिक संबंध बनते हुए देखे जाते थे। अब अमेरिका जैसे देश में वहां का राष्ट्रप ति अपने निजी और पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए जिस तरह का निर्णय ले रहे हैं, उसके कारण वैश्विक समीकरण बड़ी तेजी के साथ बदल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राजदूत के रूप में सर्जियो गौर को भारत भेजा है। डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व मित्र और वर्तमान दुश्मन एलन मस्क ने उसे सांप कहा था। एक तरह से अमेरिका ने कई कहीनों के बाद भारत में राजदूत नियुक्त करके भारत में एक तरह से अपना वायसराय बैठा दिया है। अमेरिका वर्तमान में भारत और पाकिस्तान को एक ही चश्मे से देख रहा है।

ब्रिटिश गवर्नमेंट के टाइम पर भारत और पाकिस्तान का एक ही वायसराय होता था। अमेरिका ने जो नियुक्ति की है। उसे वायसराय के रूप में देखा जा रहा है। जो भारत और पाकिस्तान दोनों को ही नियंत्रित करने का काम अप्रत्यक्ष रुप से करेगा। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी को लेकर जो आरोप विपक्ष लगाता रहा है। वही आरोप अब अमेरिका के राष्ट्रप ति पर भी लगने लगे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने परिवार के कारोबार को बढ़ाने के लिए जिस तरह से अमेरिका की सत्ता और टैरिफ के रूप में ब्लैकमेलिंग का जो खेल खेल रहे हैं। उसका अब खुलासा होने लगा है। वै श्विक स्तर पर रुस, चीन और अमे रिका अपने वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। जिसकी लाठी उसकी भैंस राजनी ति का यह नया चेहरा है।

भविष्य को लेकर सारी दु निया आशं कित है। भारत और अमेरिका के बीच में इसकी क्या प्रतिक्रिया होगी, कहना मुश्किल है। जो देखने को मिल रहा है, वही वर्तमान का सच है। अमे रिका के संबंध यूरोपीय देशों के साथ-साथ अन्य देशों के साथ तनावपूर्ण हुए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिंद्रा एंड महिंद्रा नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगा

- वर्ष 2027 तक ईवी उत्पादन लक्ष्य, इगतपुरी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) देश और विदेश में बढ़ती मांग को देखते हुए एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि महिंद्रा वर्तमान में नई फैक्ट्री के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश में है, ताकि भविष्य में उत्पादन क्षमता में विस्तार किया जा सके। कंपनी ने हाल ही में अपना नया मॉड्यूलर मल्टी-एनर्जी प्लेटफॉर्म 'एनयू आईक्यू' पेश किया है, जो इलेक्ट्रिक और अन्य ऊर्जा विकल्पों पर आधारित नई एसयूवी श्रृंखला को समर्थन देगा। इस प्लेटफॉर्म का पहला उत्पाद 2027 तक बाजार में आने की उम्मीद है। यह मंच भारत के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में अप्रयुक्त संभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। महिंद्रा के वाहन प्रभाग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के मुतो बिक कंपनी अपने मौजूदा चाकन संयंत्र की उत्पादन क्षमता को 2.4 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना पर भी विचार कर रही है। लेकिन ईवी क्षेत्र में कंपनी का लक्ष्य 2027 तक 10 लाख यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जिसके लिए अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता होगी। इस क्रम में महिंद्रा ने महाराष्ट्र सरकार को इगतपुरी में 350 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र भी सौंपा है। कंपनी के पास पहले से ही नासिक और इगतपुरी में संयंत्र हैं

गिफ्ट निफ्टी- भारत बना वैश्विक शेयर बाजार का नया केंद्र

- भारत को ग्लोबल फाइनेंशियल हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली । भारत ने वैश्विक निवेश के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया है। पहले सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज (एसजीएक्स) पर कारोबार करने वाला निफ्टी फ्यूचर्स अब भारत के गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में स्थानांतरित हो चुका है। इसका नया नाम है - गिफ्ट निफ्टी। एसजीएक्स निफटी उन विदेशी निवेशकों के लिए था जो भारतीय बाजार से जुड़े डेरिवेटिव्स में भाग लेना चाहते थे, लेकिन भारत में सीधे ट्रेड नहीं कर सकते थे। लेकिन अब यह पूरा कारोबार भारत में स्थित गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टी-सिटी) के इंटरनेशनल एक्सचेंजों पर होता है। यह सिटी भारत का पहला इंटरनेशनल फाइनेंशियल हब है, जहां विदेशी निवेशकों को टैक्स में रियायत और सुगम नियम दिए गए हैं। गिफ्ट निफ्टी के आने से विदेशी निवेशकों को भारत के समय अनुसार कारोबार करने का अवसर मिल रहा है। इससे न केवल बाजार की पारदर्शिता बढ़ती है, बल्कि लिक्विडिटी भी बेहतर होती है, जिससे भारतीय निवेशकों को भी लाभ होता है। रत के लिए यह एक रणनीतिक जीत है। पहले जो विदेशी मुद्रा सिंगापुर जाती थी, अब वह भारत में बनी रहती है। साथ ही, देश की छवि एक ग्लोबल फाइनेंशियल डेस्टिनेशन के रूप में मजबूत हो रही है। रल शब्दों में कहें तो गिफ्ट निफ्टी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया बड़ा और निर्णायक कदम है। आने वाले समय में इसका लाभ न केवल निवेशकों को बल्कि पूरे देश को मिलेगा।

एसयूवी ग्रैंड विटारा नए कलर ऑप्शंस में लॉन्च

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी ने अपनी पॉपुलर एसयूवी ग्रैंड विटारा को नए कलर ऑप्शंस में पेश किया है। खास बात यह है कि स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इंजन वाली ग्रैंड विटारा एक बार फुल टैंक में 1200 किलोमीटर तक का माइलेज दे सकती है। कंपनी ने ग्रैंड विटारा के सिग्मा, डेल्टा और डेल्टा प्लस वैरिएंट्स में नए रंग जोड़े हैं। सिग्मा ट्रिम में अब नेक्सा ब्लू, ग्रैंड्योर ग्रे और पर्ल मिडनाइट ब्लैक तीन नए मोनोटोन कलर उपलब्ध होंगे। इससे पहले यह केवल आर्कटिक व्हाइट में आती थी। अब इस ट्रिम में कुल चार कलर मिलेंगे। वहीं, डेल्टा और डेल्टा प्लस वैरिएंट्स में पर्ल मिडनाइट ब्लैक शामिल किया गया है, जिससे इनकी कुल संख्या सात हो गई है। कीमतों की बात करें तो कंपनी ने नए कलर के बावजूद दाम नहीं बढ़ाए हैं। सिग्मा एमटी की कीमत 11.42 लाख रुपए, डेल्टा एमटी की 12.53 लाख रुपए और डेल्टा एटी की 13.93 लाख रुपए है। डेल्टा+ हाइब्रिड वैरिएंट की शुरुआती कीमत 16.99 लाख रुपए है। ये सभी कीमतें एक्स-शोरूम हैं।

संयुक्त खातों और एफडी में नाम जोड़ना पड़ सकता है भारी

आयकर विभाग से मिल सकता है नोटिस

नई दिल्ली।

बैंक खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ना एक आम परंपरा है। लोग इसे सुविधा या भविष्य की प्लानिंग के तहत करते हैं। लेकिन टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह आदत अब परेशानी का कारण बन सकती है। आयकर विभाग से नोटिस आने की घटनाएं बढ़ रही हैं, खासकर उन लोगों को जिनकी खुद की कोई आय नहीं है। असल में इनकम टैक्स के नियमों के तहत बैंक, एनबीएफसी और म्यूचुअल फंड कंपनियों को बड़े लेन-देन की जानकारी सरकार को देनी होती है। उदाहरण के लिए, सेविंग अकाउंट में 10 लाख से ज्यादा जमा या निकासी, एफडी में 10 लाख रुपए से अधिक, और 2 लाख रुपए से ज्यादा के म्यूचुअल फंड निवेश की रिपोर्ट की जाती है। रिपोर्टिंग के दौरान सभी जॉइंट होल्डर्स का पीएएन नंबर दर्ज होता है, जिससे पूरी राशि हर होल्डर के एआईएस और टीआइएस में दिखाई देने लगती है। इससे टैक्स रिटर्न और आयकर विभाग के डेटा में अंतर आ जाता है और स्वतः नोटिस जारी हो सकता है। यह परेशानी गृहिणियों, रिटायर्ड लोगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ज्यादा गंभीर है। विशेषज्ञों की सलाह है कि आईटीआर भरने से पहले एआईएस की जांच करें और यदि लेन-देन आपकी आय से नहीं है तो उसे` कि` बिलांग टू अदर पेन के रूप में दर्ज करें। इसके अलावा बैंक स्टेटमेंट और गिफ्ट डीड जैसे दस्तावेज तैयार रखें ताकि जरूरत पड़ने पर विभाग को जवाब दिया जा सके। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिपोर्टिंग आवश्यक है, लेकिन नियमों में बदलाव कर गैर-आय वाले जॉइंट होल्डर्स को राहत दी जानी चाहिए।

यश बैंक में एसएमबीसी का बड़ा निवेश

- आरबीआई ने दी 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के यश बैंक में जापान के बड़े बैंक सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) का निवेश अब एक कदम और करीब पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसएमबीसी यश बैंक में 24.99 तक हिस्सेदारी खरीदने की सशर्त मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी हाल ही में जारी एक पत्र के माध्यम से दी गई है और एक साल तक वैध रहेगी। यश बैंक ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को देते हुए स्पष्ट किया कि इस निवेश के बावजूद एसएमबीसी को बैंक का प्रमोटर नहीं माना जाएगा। इससे पहले मई 2025 में एसएमबीसी ने यश बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव के तहत एसबीआई से 13.19 फीसदी और अन्य सात बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा आदि से मिलाकर 6.81 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई गई थी। आरबीआई ने इस सौदे के लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं।

ई20 पेट्रोल से कारों की माइलेज में 2-5 फीसदी गिरावट संभव- विशेषज्ञ

पुराने वाहनों में लंबे समय में ईंधन सिस्टम को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली । वाहनों में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से माइलेज में 2 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ऑटोमोबाइल उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इथेनॉल का कैलोरी मान पेट्रोल की तुलना में कम होने के कारण यह असर देखने को मिल सकता है। हालांकि सरकार का कहना है कि ई20 ईंधन से दक्षता में भारी कमी नहीं आती। विशेषज्ञों के अनुसार ई20 के अनुरूप न होने वाले पुराने वाहनों में लंबे समय में गैसकेट, रबर होज और ईंधन पाइपलाइन जैसे हिस्सों में क्षरण हो सकता है। हालांकि यह प्रभाव तुरंत नहीं होता, लेकिन नियमित उपयोग के साथ धीरे-धीरे यह समस्याएं सामने आ सकती हैं। टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि उसके वाहन ई20 के अनुकूल हैं। वहीं मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सरकार का उद्देश्य इथेनॉल सम्मिश्रण से न केवल प्रदूषण को कम करना है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि करना है। इथेनॉल गन्ना और मक्का जैसे कृषि उत्पादों से प्राप्त किया जाता है, जिससे देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। विशेषज्ञों का सुझाव है कि उपभोक्ता पुराने वाहनों में ई20 का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और नियमित रूप से ईंधन सिस्टम की जांच कराएं। नए वाहन खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि वह ई20 के अनुकूल हो।

फेडरल रिजर्व के फैसले, वै श्विक आंकडों से तय होगी बाजार की चाल

- निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जैक्सन हॉल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की दिशा में प्रगति हो रही है, जिससे निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद बंधी है। इसके चलते अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखी गई, वहीं डॉलर सूचकांक में कमजोरी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार को भी इससे सहारा मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की 27 अगस्त की समयसीमा निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विश्लेषकों के अनुसार इस मुद्दे पर स्पष्टता आने तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भागीदारी सीमित रह सकती है। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार का रुख विदेशी निवेश, वैश्विक संकेतों और भारत, अमेरिका एवं चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क की घोषणा और आर्थिक डेटा पर कड़ी नजर रखना जरूरी होगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 709 अंक और निफ्टी में 238 अंक की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती से बाजार को समर्थन मिलता रहेगा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को बाजार बंद रहेगा।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1.72 लाख करोड़ बढ़ा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान पहले नंबर पर बरकरार

नई दिल्ली ।

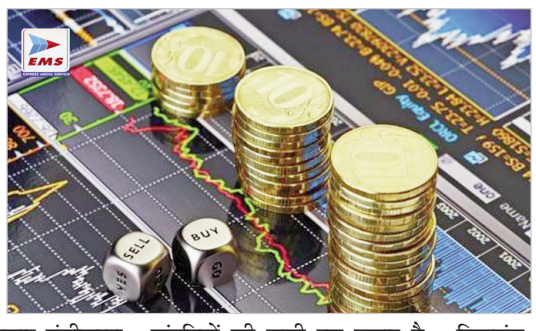

पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट केप) में 1,72,148.89 करोड़ की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा, जिसने 48,107.94 करोड़ की वृद्धि के साथ अपने बाजार पूंजीकरण को 19,07,131.37 करोड़ तक पहुंचाया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

इसके बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर का भी बाजार मूल्यांकन 34,280.54 करोड़ बढ़कर 6,17,672.30 करोड़ पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस को भी लाभ हुआ। जबकि अधिकांश कंपनियों के मूल्यांकन में सुधार देखने को मिला, वहीं एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इससे यह साफ होता है कि निवेशकों ने इन दोनों बैंकों के प्रति कुछ सतर्कता दिखाई है।

वर्तमान में शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची इस प्रकार है - रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस।

90 हजार रुपये में उपलब्ध है नई ग्लैमर एक्स 125 की ड्रम वेरिएंट

नई दिल्ली ।

भारत में हीरो मोटोकॉर्प ने 2025 मॉडल हीरो ग्लेमर एक्स 125 लॉन्च कर दी है। नई ग्लैमर एक्स 125 की कीमत ड्रम वेरिएंट के लिए 90,000 रुपये और डिस्क वेरिएंट के लिए 1 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। यह बाइक अब तक के अपने सेगमेंट की सबसे एडवांस पेशकश मानी जा रही है क्योंकि इसमें पहली बार क्रूज कंट्रोल फीचर दिया गया है। बाइक में क्रूज कंट्रोल के साथ राइड-बाय-वायर थ्रॉटल और तीन राइडिंग मोड इको, रोड और पावर दिए गए हैं। इसमें ब्लूटूथ कनेक्टिविटी वाला एडैप्टिव एलसीडी डिस्प्ले, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन, यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और फुल-एलईडी लाइटिंग जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। डिजाइन पहले से ज्यादा स्पोर्टी और मॉडर्न है। नया एलईडी हेडलैंप, टेललाइट, शार्प टैंक डिजाइन और लंबी विंडस्क्रीन इसे प्रीमियम लुक देते हैं। सीट को अधिक आरामदायक बनाया गया है और अंडरसीट स्टोरेज भी बढ़ाया गया है। इंजन की बात करें तो इसमें 124.7 सीसी का सिंगल-सिलेंडर इंजन मिलता है, जो 11.5 हॉर्सपावर और 10.5 न्यूटन मीटर टॉर्क पैदा करता है। यह इंजन 5-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है और वही पावरट्रेन है जो एक्सट्रीम 125आर में भी मिलता है। कंपनी ने इसे पांच रंगों में उतारा है।

विदेश में खाद्य तेलों में मजबूती से आयातित तेल की कीमतों में सुधार

सोयाबीन, पाम तेलों के भाव बढ़े, कमजोर मांग के चलते सरसों व बिनौला तेल के भाव फिसले

नई दिल्ली । बीते सप्ताह खाद्य तेलों के घरेलू बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। विदेशी बाजारों में कीमतों में मजबूती के असर से आयातित तेलों, विशेषकर सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर सरसों और बिनौला तेलों के भाव में गिरावट देखी गई, जबकि मूंगफली तेल के दाम स्थिर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेलों के भाव बढ़ने से घरेलू बाजार में भी सोयाबीन डीगम, पाम और पामोलीन के भाव में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम 150 रुपए की बढ़त के साथ 10,550 प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सीपीओ 11,850 और पामोलीन दिल्ली 13,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। हालांकि सरसों तेल-तिलहन पर उच्च कीमतों का असर पड़ा। थोक भाव ऊंचा होने के कारण उठाव कमजोर रहा। सरसों दाने 50 रुपए गिरकर 7,225-7,275 प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 250 रुपए की गिरावट के साथ 15,750 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके अलावा, कमजोर मांग के चलते बिनौला तेल के दाम 300 रुपए की गिरावट के साथ 13,000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए। मूंगफली तेल-तिलहन बाजार में सुस्ती के चलते स्थिर रहा। मूंगफली तिलहन 5,700-6,075, गुजरात मूंगफली तेल 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में नई फसलों की आवक (सोयाबीन, कपास, मूंगफली) और बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य बाजार पर असर डालेगा। पुराने स्टॉक की खपत पहले से ही धीमी है, जिससे आगे की रणनीति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में तेजी, अगस्त में ऑटो सेक्टर का बेहतर प्रदर्शन

- शेयर की कीमतों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली । दुनिया की प्रमुख टू-व्हीलर्स कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में हाल के दिनों में तेज तेजी देखने को मिली है। बीएसई पर शुक्रवार को यह स्टॉक 4997 रुपये के स्तर पर बंद हुआ, जबकि दिन में यह 5115.15 रुपये तक पहुंच गया था। अगस्त के महीने में यह ऑटो सेक्टर का सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला स्टॉक बना हुआ है।

पिछले 16 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयरों में करीब 17.60 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 19 अगस्त को यह स्टॉक नौ महीने के उच्चतम स्तर 5165 रुपये तक पहुंच गया था। नवंबर 2023 के बाद अगस्त महीना हीरो मोटोकॉर्प के लिए सबसे शानदार साबित हुआ है। हीरो मोटोकॉर्प की जून तिमाही रिपोर्ट ने निवेशकों को खुश किया है। कंपनी ने उम्मीद से बेहतर परिणाम देकर मजबूत संकेत दिए हैं। इसके अलावा, सरकार द्वारा जीएसटी रेट में कटौती की संभावना ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। अगर जीएसटी स्लैब को वर्तमान 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाता है, तो इसका सबसे बड़ा फायदा हीरो मोटोकॉर्प को होगा, जिससे कंपनी की लागत घटेगी और मुनाफा बढ़ेगा। कंपनी ने अपना खोया हुआ मार्केट शेयर वापस हासिल कर लिया है। वित्त वर्ष की सालाना वृद्धि 30.90 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेगमेंट में कंपनी का मार्केट शेयर भी डबल हो चुका है, जो कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं। ` विशेषज्ञों का कहना है कि हीरो मोटोकॉर्प ने 4865 रुपये के मजबूत रेजिस्टेंस को तोड़ते हुए बुलिश सेटअप बनाया है। यदि यह तेजी जारी रही तो स्टॉक 5400 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। हीरो मोटोकॉर्प के स्टॉक की इस तेजी ने निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है और कंपनी के भविष्य को लेकर सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

एप्पल का गंभीर आरोप: ओप्पो और पूर्व कर्मचारी पर ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

- हेल्थ तकनीक से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराने का आरोप, 63 दस्तावेज यूएसबी में ट्रांसफर किए गए

वाशिंगटन।

अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल इंक ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता ओप्पो और अपने पूर्व कर्मचारी चेन शी के खिलाफ ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। एप्पल का आरोप है कि चेन शी ने कंपनी की हेल्थ-सेंसिंग तकनीक से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराई और उसे ओप्पो के साथ साझा किया।

चेन शी एप्पल वाच टीम में सेंसर सिस्टम आर्किटेक्ट थे और जून में कंपनी छोड़ने से पहले उन्होंने कई गोपनीय बैठकों में हिस्सा लिया। शिकायत के अनुसार, नौकरी छोड़ने से तीन दिन पहले उन्होंने रात में कंपनी के प्रोटेक्टेड फोल्डर से 63 महत्वपूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए और उन्हें यूएसबी ड्राइव में ट्रांसफर किया। एप्पल का कहना है कि चेन शी ने झूठा बहाना बनाया कि वे चीन लौटकर अपने माता-पिता की देखभाल करेंगे, लेकिन वास्तव में वे ओप्पो की हेल्थ डिवीजन से जुड़ने की योजना बना रहे थे। आरोप है कि उन्होंने ओप्पो के हेल्थ डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट को जानकारी साझा करने के इरादे से संपर्क भी किया। दूसरी ओर ओप्पो ने इन आरोपों से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि उसने एप्पल की किसी भी गोपनीय जानकारी का उल्लंघन नहीं किया और जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा। ओप्पो ने यह भी कहा कि अभी तक ऐसा कुछ साबित नहीं हुआ है जिससे लगे कि चेन शी ने जानकारी का दुरुपयोग किया हो। एप्पल का मानना है कि इस तरह की घटनाएं उसके नवाचार और अरबों डॉलर के निवेश को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कंपनी पहले भी इस तरह के मामलों में पूर्व कर्मचारियों और प्रतिस्पर्धियों पर कानूनी कार्रवाई कर चुकी है।

एसबीआई बैंक फ्रॉड केस में अनिल अंबानी ने सभी आरोपों से किया इनकार

अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 10 साल पुरानी घटनाओं से जुड़ा है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन्स (आरकॉम) के दफ्तरों पर शनिवार को छापा मारा। यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शिकायत पर की गई, जिसमें लगभग 2,929 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप लगाया गया है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 10 साल पुरानी घटनाओं से जुड़ा है और एसबीआई के दावे को पहले ही न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अंबानी उस समय आरकॉम के गैर-कार्यकारी निदेशक थे और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि एसबीआई ने अन्य निदेशकों पर से पहले ही कार्रवाई वापस ले ली थी, फिर भी अंबानी को अलग से निशाना बनाया गया। वर्तमान में, रिलायंस कम्युनिकेशन्स का प्रबंधन एसबीआई के नेतृत्व वाले क्रेडिटर्स की समिति और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में किया जा रहा है। यह मामला पिछले छह सालों से एनसीएलटी और उच्च न्यायालय सहित अन्य न्यायिक मंचों में विचाराधीन है। सीबीआई ने मुंबई स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेडऔर इसके निदेशक अनिल डी. अंबानी समेत कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अनिल अंबानी ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि वे कानून के अनुसार अपना बचाव करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चेतेश्वर पुजारा को संन्यास पर भारतीय क्रिकेटरों ने दी बधाई, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने रविवार को चेतेश्वर पुजारा को भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा पर बधाई दी। पुजारा टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने अपने करियर में 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 206* रहा।

गंभीर ने अपने एक्स पर लिखा, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे, उम्मीदें खत्म होने पर उन्होंने संघर्ष किया। बधाई हो, पुजारी।' चेतेश्वर पुजारा ने 9 अक्टूबर 2010 को बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्हें 2018/19 और 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। उन्होंने अपने मजबूत डिफेंस और तकनीक से ऑस्ट्रेलिया को परेशान किया था।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पुजारा के इस शानदार टेस्ट करियर की सराहना करते हुए कहा, 'शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर पुजारा आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको बहुत गर्व हो सकता है। एक यादगार दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।'

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 'कोई ऐसा व्यक्ति जिसने हमेशा देश के लिए अपना मन, शरीर और आत्मा लगा दी! एक शानदार करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई, पुजी! आपसे दूसरी तरफ मिलते हैं!'

2018/18 बीजीटी में भारतीय लाल गेंद के दिग्गज ने चार मैचों में 74.42 की औसत, 3 शतक और एक अर्धशतक के साथ 521 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 193 रन रहा। 2020-21 सीरीज में उन्होंने चार मैचों में 33.87 की औसत से 271 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक और 77 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल था। गाबा में खेले गए अंतिम टेस्ट में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के कई प्रहार झेले, जिससे यह जीत और भी यादगार बन गई।

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'एक शानदार करियर चेतेश्वर पुजारा आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए और आपको दूसरी पारी की हार्दिक शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने पुजारा के शानदार करियर के लिए उन्हें नमन किया। जाफर ने एक पोस्ट में लिखा, 'अपने नाम के पहले, अपनी तरह के आखिरी चेतेश्वर पुजारा, शानदार करियर के लिए नमन। भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए। बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी पुजारा को बधाई दी। रैना ने एक पोस्ट में लिखा, 'शानदार करियर के लिए बधाई भाई चेतेश्वर पुजारा आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा चेतेश्वर पुजारा घरेलू क्रिकेट में एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 278 प्रथम श्रेणी मैचों में 51.82 की औसत से 21301 रन बनाए हैं। लाल गेंद के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 66 शतक और 81 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 352 रन रहा है।

ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने रचा इतिहास, द. अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग साझेदारी की

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में आखिरकार अपनी लय पकड़ ली। ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने सलामी जोड़ी के रूप में 250 रन जोड़कर इतिहास रच दिया।

मार्श और हेड ने मैके में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। ??दोनों ने पहले विकेट के लिए 250 रनों की शानदार साझेदारी की, जो ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड से बस 34 रनों से दूर थी। यह वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से पांचवीं सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है और यह पहली ऐसी साझेदारी है जिसमें डेविड वार्नर शामिल नहीं हैं। 2017 में वार्नर और ट्रैविस हेड ने पाकिस्तान के खिलाफ एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले विकेट के लिए 284 रन बनाए थे।

हेड 103 गेंदों पर 142 रन बनाकर आउट हुए जबकि उनके जोड़ीदार और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श 106 गेंदों पर 100 रन बनाकर आउट हुए। हेड ने अपनी पारी के दौरान 8000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। हेड ने 177 मैचों में 40.73 की औसत और 85.87 के स्ट्राइक रेट से 8024 रन बनाए हैं, जिसमें सभी प्रारूपों में 12 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर, मार्श ने 96 मैचों में 37.03 की औसत से 3000 वनडे रन पूरे किए।

इन दोनों के आउट होने के बाद भी धमाकेदार प्रदर्शन जारी रहा क्योंकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। यह शतक ग्लेन मैक्सवेल द्वारा 2023 विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ 40 गेंदों में बनाए गए शतक के बाद बनाया गया है। ग्रीन ने तिहरे अंक तक पहुंचने के लिए 47 गेंदें लीं। वह ऑस्ट्रेलियाई पारी के अंत तक क्रीज पर नाबाद रहे और उन्होंने सिर्फ 55 गेंदों में छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। विकेटकीपर/बल्लेबाज एलेक्स कैरी के साथ उनकी 164* रनों की साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 का स्कोर बनाया, जो वनडे इतिहास का उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

धोनी ने 2007 के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास क्यों बंद किया, पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं करते थे

और ऐसा उन्होंने 2007 के बाद से करना शुरू किया था। अगस्त 2014 से नवंबर 2021 तक भारत के फील्डिंग कोच रहे आर श्रीधर ने इस बात का खुलासा किया है।

श्रीधर ने बताया, 'एमएस धोनी ने 8 या 9 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं किया। जब वह बड़े हो रहे थे और 2007 या 2005 से पहले उन्होंने अपनी कोई खास पहचान नहीं बनाई थी, तब उन्होंने अपने विकेटकीपिंग कौशल पर काफी काम किया। उनकी अपनी एक बहुत अच्छी तकनीक थी। यह बहुत कारगर थी, और उन्होंने इसका खूब अभ्यास भी किया था।'

इस प्रतिष्ठित कोच ने बताया कि धोनी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है। हालांकि ऐसा नहीं था कि उन्होंने बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया। वह नियमित रूप से प्रतिक्रिया अभ्यास करते थे जिसका मतलब था कि वह हर समय स्टंप के पीछे, खासकर स्पिनरों के सामने, चुस्त-दुरुस्त रहते थे।

श्रीधर ने आगे कहा, 'उन्होंने खुद स्वीकार किया कि एक बार जब उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना शुरू किया, तो काम का बोझ इतना ज्यादा था कि उन्हें ज्यादा अभ्यास करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उनकी उंगलियां चोटिल हो रही थीं। तभी उन्होंने बड़ी ही चतुराई से विकेटकीपर के रूप में अपना काम का बोझ कम कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने कुछ प्रतिक्रिया अभ्यास किए, जिससे वह चुस्त-दुरुस्त रहे और उनके दस्तानों की गति बिजली की तरह तेज़ रही। अभ्यास न करना' सही शब्द नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे कम कर दिया क्योंकि उन्हें पता था कि काम का बोझ बहुत ज्यादा है।'

कूपर कोनोली ने 5 विकेट लेकर तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड, दक्षिण अफ्रीका की करारी हार

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वियान मुल्डर और दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को मैके में हुए अंतिम वनडे में दक्षिण अफ्रीका की बेरहमी से करारी शिकस्त के बाद एक नया निम्नतम स्तर छुआ जबकि ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने नई ऊंचाइयों को छुआ। दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 की अजेय बढ़त गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में मेहमान टीम को कोई रियायत नहीं दी। कप्तान मिशेल मार्श और आक्रामक बल्लेबाज ट्रैविस हेड से दूर रही यह शानदार पारी तीसरे वनडे में लौट आई।

ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। कोनोली ने अपने शानदार 5 विकेटों से दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने अपनी बाएं हाथ की पारंपरिक स्पिन गेंदों से मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया। 22 साल और दो दिन बाद कॉनॉली ऑस्ट्रेलिया के लिए 5 विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने क्रेग मैकडरमॉट का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 1987 में पाकिस्तान के खिलाफ 22 साल 204 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड बनाया था।

कॉनॉली की गेंदबाजी के जादू ने दक्षिण अफ्रीका को झकझोर कर रख दिया और अंततः 276 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे बड़ी हार का अंतर था। कॉनॉली ने 6 ओवरों में 22 रन देकर 5 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया ने सांत्वना जीत का जश्न मनाया।

पहली पारी में मार्श (100) और हेड (142) ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद मैके में तेज धूप खिली। सीरीज का रुख पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में था और इस विस्फोटक जोड़ी ने यह सुनिश्चित किया कि यह साझेदारी बरकरार रहे। सलामी जोड़ी ने 250 रनों की साझेदारी करके आंकड़ा बढ़ाया, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी थी। कैमरून ग्रीन भी इस टीम में शामिल हुए उन्होंने जी-जान से खेला और इस धमाकेदार पारी में अपना योगदान दिया।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ने में मात्र 47 गेंदें लीं। एलेक्स कैरी ने अपनी बाउंड्री लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया और 37 गेंदों में 50* रनों की तेज़ पारी खेली। शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़े और 50 ओवर के प्रारूप में यह ऐसा दूसरा मौका था, इससे पहले 2015 में जोहान्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी विनाशकारी रणनीति अपनाई, मुल्डर आदर्श बल्लेबाज बनकर उभरे। मुल्डर, जिन्होंने पिछले महीने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ब्रायन लारा के 400 रनों के यादगार शतक को न खेलने के अपने फैसले के लिए सुर्खियां बटोरीं, ने अपने सात ओवर के स्पेल में 13.30 की औसत से 93 रन लुटाए। मुल्डर की इकॉनमी उन खिलाड़ियों में दूसरी सबसे खराब है जिन्होंने वनडे में कम से कम छह ओवर फेंके हैं। वह आयरलैंड के केविन ओ%ब्रायन के 13.57 के औसत से पीछे हैं, जो उन्होंने 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हासिल किया था।

राशिद की कप्तानी में एशिया कप में उतरेगी अफगानिस्तान टीम

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अगले माह होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 17सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसकी कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर राशिद खान को दी गयी है। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही 3 खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखा गया है। यूएई में स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए टीम में कप्तान सहित छ स्पिनर रखे गये हैं। टीम में राशिद के अलावा मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद और शराफुद्दीन अशरफ का नाम शामिल है। इसके अलावा रिजर्व खिलाड़ियों में भी एक स्पिनर शामिल है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम इस बार स्पिन गेंदबाजी के बल पर शीर्ष टीमों को टक्कर देना चाहती है।

टीम इस प्रकार है– राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद अहमद मलिक, नवीन उल हक और फजलहक फारूकी

रिजर्व प्लेयर्स : वफीउल्लाह तारखिल, नांग्याल खरोटे और अब्दुल्ला अहमदजई

बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले, रोहित और विराट अभी एकदिवसीय खेलेंगे, दोनो ही अभी पूरी तरह से फिट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे और इनके संन्यास की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं। वह पूरी तरह से गलत हैं। शुक्ला के इस बयान से कोहली और रोहित के संन्यास की अटकलों के भी समाप्त होने की संभावना है। कोहली और रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही नाम वापस ले लिया था। अब इनका लक्ष्य आईसीसी विश्वकप 2027 खेलना है हालांकि ये दोनो चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं, ऐसे में इनके लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। बोर्ड उपाध्यक्ष ने कहा कि रोहित और विराट दोनो ही फिट हैं और ऐसे में ये एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। वहीं प्रशंसक इसलिए परेशान हैं क्योंकि विश्वकप से पहले भारत को कुछ ही एकदिवसीय खेलने हैं। ऐसे में इन दोनो के लिए ही फिटनेस बनाए रखना कठिन होगा। रोहित और विराट के बारे में कोई कुछ भी कहे पर यह अंदाजा हो गया है कि ये अब अधिक समय तक नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरा इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौर हो सकता है। जिसको लेकर प्रशंसक निराश हैं। शुक्ला के बयान से हालांकि प्रशंसकों को कुछ उम्मीद बनी है। शुक्ला ने पूछा, 'इन दोनो ने अभी तक संन्यास नहीं लिया? इसलिए ये दोनो अभी भी एकदिवसीय खेलेंगे, ऐसे में विदाई की बात क्यों की जा रही है। साथ ही कहा कि बोर्ड अभी भी खिलाड़ियों को संन्यास के लिए नहीं कहता।' इस प्रकार के फैसले हम खिलाड़ियों पर ही छोड़ देते हैं।

ऐश्वर्य ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

शिमकेंट (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रविवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। जूनियर पुरुष थ्रीपी स्पर्धा में एड्रियन कर्माकर ने फाइनल में 463.8 के एशियाई जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। तोमर ने 462.5 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेनयू झाओ ने 462 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि जापान के नाओया ओकाडा ने 445.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। तोमर ने इस स्पर्धा में अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतियोगिता के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी। इस 24 साल के निशानेबाज ने नीलिंग पोजीशन में बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन इसे प्रोन पोजीशन में दोहरा नहीं सके। उन्होंने हालांकि स्टैंडिंग दौर में अच्छा प्रदर्शन किया और 1.5 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ प्रतियोगिता के अंतिम चरण में प्रवेश करने के बाद विजेता बने।

इस स्पर्धा में अन्य भारतीय निशानेबाजों में चैन सिंह चौथे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले तोमर, चैन सिंह और श्योराण की भारतीय तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तोमर क्वालिफिकेशन में कुल 584 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। तोमर का यह इसी स्पर्धा में दूसरा एशियाई खिताब था। उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था।

जकार्ता में 2024 सत्र में हालांकि उन्हें श्योराण से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। अनुभवी चैन सिंह 582 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता श्योराण ने 581 अंकों के साथ सातवां क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। चीन के भी तीनों निशानेबाजों ने क्वालीफाई किया, जबकि अन्य दो स्थान क्रमशः जापान और कोरिया को मिले।

भारत टीम स्वर्ण पदक से तीन अंक चूक गई। भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 1747 था जो चीन के कुल स्कोर से तीन अंक कम था। इस बीच ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन दौर में प्रिसिशन चरण के बाद चौथे स्थान पर है। ईशा सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। मनु इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीत चुकी है।

वेदांत वाघमारे जूनियर पुरुषों की 3पी स्पर्धा में 582 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहे, जबकि

एड्रियान 576 के स्कोर के साथ आठवां और आखिरी क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। सामी उल्लाह खान (575), रोहित कान्यान (575), गौरव देसले (569) और हितेश श्रीनिवासन (564) जैसे निशानेबाज क्वालीफाई नहीं कर पाए। वेदांत, एड्रियान और रोहित की तिकड़ी ने कुल 1733 के संयुक्त स्कोर के साथ टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

यूएस ओपन 2025 में खिताब बचाने को तैयार जानिक सिनर

नई दिल्ली ।यूएस ओपन 2025 में एक बार फिर सबकी निगाहें इटली के टेनिस स्टार और मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर पर टिकी हुई हैं। पिछले साल खिताब जीतने वाले सिनर इस बार लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। लगातार दो साल तक यूएस ओपन जीतना बेहद मुश्किल काम माना जाता है, लेकिन सिनर इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी के कारण सिनसिनाटी ओपन का फाइनल बीच में छोड़ने वाले सिनर अब पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं और टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उन्होंने अपनी वापसी को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि यह सीजन का आखिरी ग्रैंड स्लैम है और यहां खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। उनका लक्ष्य टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अपनी फिटनेस को उच्च स्तर तक ले जाना है। सिनर से जब पूछा गया कि आखिर यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों है, तो उन्होंने कहा कि यहां दिन और रात के मैचों का बड़ा फर्क पड़ता है। छोटी-छोटी बातें भी खेल के नतीजे को बदल देती हैं और यही कारण है कि यह टूर्नामेंट बेहद कठिन माना जाता है। इतिहास गवाह है कि केवल स्विट्जरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार पांच बार यानी 2004 से 2008 तक यूएस ओपन का खिताब जीता। इस बार भी सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सिनर इस चुनौती को कैसे पार करते हैं। मौजूदा दौर में टेनिस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता जानिक सिनर और स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज के बीच देखने को मिल रही है। पिछले सात ग्रैंड स्लैम खिताब इन दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे हैं। ऐसे में इस साल भी यूएस ओपन का फाइनल इन्हीं दोनों के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सिनर ने अल्काराज के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा पर कहा कि यह खेल और खिलाड़ियों दोनों के लिए अच्छी है। कभी-कभी अभ्यास के दौरान जब थकान महसूस होती है तो आप अपने प्रतिद्वंद्वी से प्रेरणा लेते हैं और यह चीज असली मैच में काम आती है। उन्होंने यह भी माना कि इस समय बड़ी ट्रॉफियां वही और कार्लोस साझा कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हालात बदल सकते हैं क्योंकि टेनिस में कई शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं। सिनर का कहना है कि फाइनल तक पहुंचना हमेशा मुश्किल होता है और इसलिए खिलाड़ियों को लगातार सुधार करना पड़ता है। उनका मानना है कि अब बाकी खिलाड़ी उन्हें और अल्काराज को अच्छी तरह समझने लगे हैं और इसलिए चुनौती और बड़ी हो गई है। हालांकि सिनर आत्मविश्वास से भरे हैं और खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

जब रिंकू को मिला था शाहरुख के साथ चार्टर फ्लाइट में बैठने का अवसर

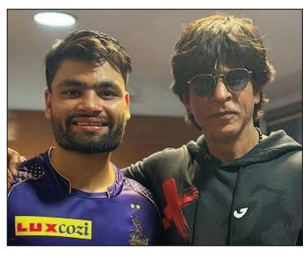

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें एक बार बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के हवाई यात्र का अवसर मिला था। रिंकू का केकेआर के सह-मालिक शाहरुख ने इस यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। तब वह पहली बार किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे। रिंकू को तब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। वह स्टैंडबाय सूची में थे। ऐसे में रिंकू को वीजा की औपचारिकताओं के लिए अचानक मुंबई जाना था और तब शाहरुख के साथ उन्हें जाने का अवसर मिला था। रिंकू शुरु में जाने से झिझक रहे थे पर बाद में उन्होंने शाहरुख का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रिंकू ने कहा कि शाहरुख ने यात्रा के दौरान उनका बहुत हौसला भी बढ़ाया। रिंकू ने शाहरुख को लेकर कहा, वह बड़े दिल वाले इंसान हैं। वह हमेशा सभी से गले मिलते हैं। वह सबसे अच्छे से मिलते हैं, फिर चाहे सीनियर हो या जूनियर। मुझे लगता है कि यही बातें उन्हें एक अच्छा इंसान बनाती है। तब मेरा विश्वकप के लिए मुख्य दल में चयन नहीं हुआ था। मैं स्टैंडबाय में था। टीम चली गई थी थी। तभी मुझे वीजा के लिए जाना पड़ा। ऐसे में शाहरुख सहायता के लिए आगे आये।

मीराबाई की वापसी, भारतीय भारोत्तोलकों की नजरें राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पदक जुटाने पर

अहमदाबाद (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक साल के अंतराल के बाद सोमवार को प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में वापसी करेंगी और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में घरेलू चुनौती की अगुवाई करेंगी जिसमें भारतीय भारोत्तोलकों से पदकों की झड़ी लगाने की उम्मीद है।

हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक में खेली थीं जिसमें वह एक किलोग्राम से पोडियम स्थान से चूक गई थीं। इकतीस वर्षीय मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है।

वजन को नियंत्रित करना एक चुनौती होगी और चानू ने खुद इसे स्वीकार किया है। लेकिन इस दृढ़ निश्चयी मणिपुरी खिलाड़ी ने यह चुनौती स्वीकार कर ली है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर काम करते हुए वह अपनी तकनीक को भी निखार रही हैं ताकि स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचने की तैयारी में जुटी चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं झोंकेंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है।

उन्होंने कहा, 'मैं अहमदाबाद में पूरी ताकत नहीं लगा रही हूं क्योंकि मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं

बनाया है।' चानू भले ही मुख्य आकर्षण बनी हुई हैं लेकिन भारत के दल के लगभग हर भार वर्ग में पोडियम पर पहुंचने की उम्मीद है।

राष्ट्रमंडल प्रतियोगिताएं (राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप) लंबे समय से भारतीय भारोत्तोलकों के लिए एक शानदार जगह रही हैं जिन्हें चीन और उत्तर कोरिया जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति का फायदा मिलता है। जब भारत ने पिछली बार 2023 में चैंपियनशिप की मेजबानी की थी तो घरेलू टीम ने 20 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार भी रजत विजेता बिंदियारानी देवी और कांस्य पदक विजेता हरजिंदर कौर और लवप्रीत सिंह सहित कई राष्ट्रमंडल पदक विजेता भारत की पदक तालिका में इजाफा करना चाहेंगे।

भारतीय टीम

महिला : मीराबाई चानू (48 किग्रा), स्नेहा सोरेन (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), सेराम निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), हरमनप्रीत कौर (77 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा~), महक शर्मा (+86 किग्रा) पुरुष~ चनंबम ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा); एम राजा (65 किग्रा); नारायण अजित (71 किग्रा), वल्लूरी अजय बाबू (79 किग्रा), अजय सिंह (88 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), हरचरण सिंह (110 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)।

टीम चयन में मेरी भूमिका नहीं रही : पीसीब अध्यक्ष

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने का फैसला चयनसमिति का था और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। नकवी ने ये बात टीम चयन को लेकर उठे विवाद को लेकर कही है। कई लोगों ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इसल को लेकर पीबीबी प्रमुख का बयान आया है। नकवी ने इस मामले की जिम्मेदारी चयनसमिति पर डाल दी है। नकवी ने कहा, "सबसे पहले मेरी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने या बाहर करने में मेरी एक फीसदी भूमिका नहीं है। हमारे पास एक चयन समिति और फिर एक सलाहकार इकाई है। वे सभी मिलकर टीम तय करते हैं। चयन की यह प्रक्रिया काफी चीजों से होकर गुजरती है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चुने जाने से पहले 8 से 10 घंटे की चर्चा होती है. कभी-कभी तो 2-3 दिनों तक भी ये चलता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन वैवाहिक जीवन की लंबी आयु की कामना के लिए यह व्रत किया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित स्त्रियों के द्वारा किया जाता है। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है। इसके बाद उत्तम भजनों से रतजगा किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को मां पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। यह व्रत करने के लिए सुहागन स्त्रियों को व्रत के दिन प्रातः जल्दी उठ कर स्नानादि कर शुद्ध होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन भगवान शंकर व माता पार्वती जी की पूजा की जाती है। इस व्रत को बगैर जल लिए किया जाता है। व्रत के दिन माता का पूजन धूप, दीप व फूलों से करना चाहिए एवं अंत में व्रत की कथा सुननी चाहिए और घर के बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

व्रत कथा

एक बार भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।

श्री भोलेशंकर बोले- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया।

तुम्हारे पिता तुम्हारी कष्ट साध्य तपस्या को देखकर बड़े दुखी होते थे। उन्हें बड़ा क्लेश होता था। तब एक दिन तुम्हारी तपस्या तथा

पिता के क्लेश को देखकर नारदजी तुम्हारे घर पधारे। तुम्हारे पिता ने हृदय से अतिथि सत्कार करके उनके आने का कारण पूछा।

नारदजी ने कहा- गिरिराज! मैं भगवान विष्णु के भेजने पर यहां उपस्थित हुआ हूं। आपकी कन्या ने बड़ा कठोर तप किया है। इससे प्रसन्न होकर वे आपकी सुपुत्री से विवाह करना चाहते हैं। इस संदर्भ में आपकी राय जानना चाहता हूं।

नारदजी की बात सुनकर गिरिराज गद्?गद हो उठे। उनके तो जैसे सारे क्लेश ही दूर हो गए। प्रसन्नचित होकर वे बोले- श्रीमान्?! यदि स्वयं विष्णु मेरी कन्या का वरण करना चाहते हैं तो भला मुझे क्या आपत्ति हो सकती है। वे तो साक्षात ब्रह्म हैं। हे महर्षि! यह तो हर पिता की इच्छा होती है कि उसकी पुत्री सुख-सम्पदा से युक्त पति के घर की लक्ष्मी बने। पिता की सार्थकता इसी में है कि पति के घर जाकर उसकी पुत्री पिता के घर से अधिक सुखी रहे।

तुम्हारे पिता की स्वीकृति पाकर नारदजी विष्णु के पास गए और उनसे तुम्हारे ब्याह के निश्चित होने का समाचार सुनाया। मगर इस विवाह संबंध की बात जब तुम्हारे कान में पड़ी तो तुम्हारे दुख का ठिकाना न रहा।

तुम्हारी एक सखी ने तुम्हारी इस मानसिक दशा को समझ लिया और उसने तुमसे उस विक्षिप्तता का कारण जानना चाहा। तब तुमने बताया - मैंने सच्चे हृदय से भगवान शिवशंकर का वरण किया है, किंतु मेरे पिता ने मेरा विवाह विष्णुजी से निश्चित कर दिया। मैं विचित्र धर्म-संकट में हूं। अब क्या करूं? प्राण छोड़ देने के अतिरिक्त अब कोई भी उपाय शेष नहीं बचा है। तुम्हारी सखी बड़ी ही समझदार और सूझबूझ वाली थी।

उसने कहा- सखी! प्राण त्यागने का इसमें कारण ही क्या है? संकट के मौके पर धैर्य से काम लेना चाहिए। नारी के जीवन की सार्थकता इसी में है कि पति-रूप में हृदय से जिसे एक बार स्वीकार कर लिया, जीवनपर्यंत उसी से निर्वाह करें। सच्ची आस्था और एकनिष्ठा के समक्ष तो ईश्वर को भी समर्पण करना पड़ता है। मैं तुम्हें घनघोर जंगल में ले चलती हूं, जो

साधना स्थली भी हो और जहां तुम्हारे पिता तुम्हें खोज भी न पाएं। वहां तुम साधना में लीन हो जाना। मुझे विश्वास है कि ईश्वर अवश्य ही तुम्हारी सहायता करेंगे।

तुमने ऐसा ही किया। तुम्हारे पिता तुम्हें घर पर न पाकर बड़े दुखी तथा चिंतित हुए। वे सोचने लगे कि तुम जाने कहां चली गई। मैं विष्णुजी से उसका विवाह करने का प्रण कर चुका हूं। यदि भगवान विष्णु बारात लेकर आ गए और कन्या घर पर न हुई तो बड़ा अपमान होगा। मैं तो कहीं मुंह दिखाने के योग्य भी नहीं रहूंगा। यही सब सोचकर गिरिराज ने जोर-शोर से तुम्हारी खोज शुरू करवा दी।

इधर तुम्हारी खोज होती रही और उधर तुम अपनी सखी के साथ नदी के तट पर एक गुफा में मेरी आराधना में लीन थीं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र था। उस दिन तुमने रेत के शिवलिंग का निर्माण करके व्रत किया। रात भर मेरी स्तुति के गीत गाकर जागीं। तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या के प्रभाव से मेरा आसन डोलने लगा। मेरी समाधि टूट गई। मैं तुरंत तुम्हारे समक्ष जा पहुंचा और तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न होकर तुमसे वर मांगने के लिए कहा।

तब अपनी तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा - मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए।

तब मैं तथास्तु कह कर कैलाश पर्वत पर लौट आया। प्रातः होते ही तुमने पूजा की समस्त सामग्री को नदी में प्रवाहित करके अपनी सहेली सहित व्रत का पारणा किया। उसी समय अपने मित्र-बंधु व दरबारियों सहित गिरिराज तुम्हें खोजते-खोजते वहां आ पहुंचे और तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या का कारण तथा उद्देश्य पूछा। उस समय तुम्हारी दशा को देखकर गिरिराज अत्यधिक दुखी हुए और पीड़ा के कारण उनकी आंखों में आंसू उमड़ आए थे।

तुमने उनके आंसू पोंछते हुए विनम्र स्वर में कहा- पिताजी! मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय कठोर तपस्या में बिताया है। मेरी इस तपस्या का उद्देश्य केवल यही था कि मैं महादेव को पति के रूप में पाना चाहती थी। आज मैं अपनी तपस्या की कसौटी पर खरी उतर चुकी हूं। आप क्योंकि विष्णुजी से मेरा विवाह करने का निर्णय ले चुके थे, इसलिए मैं अपने आराध्य की खोज में घर छोड़कर चली आई। अब मैं आपके साथ इसी शर्त पर घर जाऊंगी कि आप मेरा विवाह विष्णुजी से न करके महादेवजी से करेंगे।

गिरिराज मान गए और तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया।

हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि मैं इस व्रत को करने वाली कुंआरियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी एकनिष्ठा तथा आस्था से करना चाहिए।

हरतालिका तीज
महिलाओं का त्योहार

भारतीय त्योहारों में तीज का काफी महत्व है। महिलाओं के लिए तीज के परंपरागत, विभिन्न रूप उत्साह के पर्याय बन जाते हैं। फिर इनके सांस्कृतिक तथा पारंपरिक महत्व अपनी जगह हैं।

इसलिए तीज के लिए महिलाएं काफी पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। मेहंदी, वस्त्र तथा आभूषण, सभी कुछ अपनी सुविधा के अनुसार जुटाए जाते हैं और पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है तीज। तीज का ऐसा ही कुछ रूप हरतालिका तीज पर देखने को मिलता है।

शिव-पार्वती के सफल तथा परिपक्व दांपत्य जीवन जैसे जीवन की कामना के साथ हरतालिका का व्रत तथा पूजन किया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को शिवगौरी का पूजन कर हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस व्रत को लेकर युवतियों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह रहता है। असल में परंपरागत भारतीय त्योहारों तथा उत्सवों का असल आकर्षण ही महिलाओं का यह उत्साह है, जो पूरे वातावरण को एक नए उजास से भर देता है।

यह व्रत कड़क उपवास की श्रेणी में आता है क्योंकि इस दिन स्त्रियां निर्जल भी रहती हैं। शाम को सुंदर वस्त्र तथा आभूषणों से सजकर सभी एक-साथ मिलकर मिट्टी से बनी शिव-पार्वती की प्रतीक प्रतिमाओं का पूजन करती हैं। हंसती-गाती हैं और रात्रि जागरण भी करती हैं। समय के अनुसार हालांकि इस त्योहार में भी कुछ परिवर्तन हुए हैं। अब पूजन के लिए कई प्रकार की पत्तियां चुनने के लिए जरूरी नहीं कि जंगलों में जाया जाए।

आजकल बाजार में, खासतौर पर शहरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण ढेर की ढेर पत्तियां तथा फूल लाकर बेचते हैं। यही नहीं दुकानों पर आपको एक ही पैकेट में सारी पूजन सामग्री भी मिल जाएगी। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहिणियों के लिए भी यह एक सुविधाजनक बात है। मुख्य बात यह है कि इस तरह के त्योहार महिलाओं को एक-साथ मिल बैठने तथा अपना उत्साह जाहिर करने का भी मौका दे जाते हैं। जाहिर है कि परंपरागत रूप से इस व्रत को करने के कारण तथा तरीके अब भी वैसे ही हैं, हां कुछ आधुनिकता के साथ।

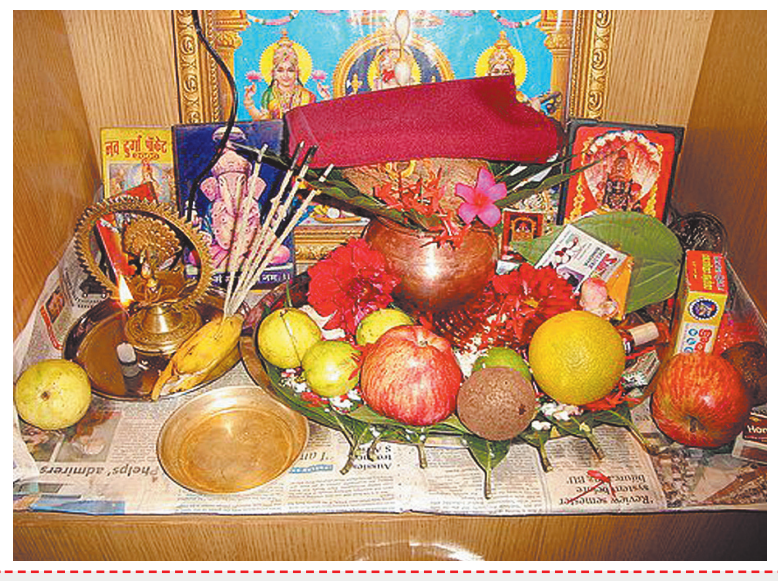

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवती कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृतांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरतालिका तीज

हरतालिका तीज व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया को किया जाता है। इस दिन वैवाहिक जीवन की लंबी आयु की कामना के लिए यह व्रत किया जाता है। यह व्रत विशेष रूप से विवाहित स्त्रियों के द्वारा किया जाता है। इस दिन उपवास कर भगवान शंकर-पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा की जाती है। स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है। इसके बाद उत्तम भजनों से रतजगा किया जाता है। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को मां पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है। यह व्रत करने के लिए सुहागन स्त्रियों को व्रत के दिन प्रातः जल्दी उठ कर स्नानादि कर शुद्ध होकर व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इस दिन भगवान शंकर व माता पार्वती जी की पूजा की जाती है। इस व्रत को बगैर जल लिए किया जाता है। व्रत के दिन माता का पूजन धूप, दीप व फूलों से करना चाहिए एवं अंत में व्रत की कथा सुननी चाहिए और घर के बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए।

व्रत कथा

एक बार भगवान शिव ने पार्वतीजी को उनके पूर्व जन्म का स्मरण कराने के उद्देश्य से इस व्रत के माहात्म्य की कथा कही थी।

श्री भोलेशंकर बोले- हे गौरी! पर्वतराज हिमालय पर स्थित गंगा के तट पर तुमने अपनी बाल्यावस्था में बारह वर्षों तक अधोमुखी होकर घोर तप किया था। इतनी अवधि तुमने अन्न न खाकर पेड़ों के सूखे पत्ते चबा कर व्यतीत किए। माघ की विक्राल शीतलता में तुमने निरंतर जल में प्रवेश करके तप किया। वैशाख की जला देने वाली गर्मी में तुमने पंचाग्नि से शरीर को तपाया। श्रावण की मूसलधार वर्षा में खुले आसमान के नीचे बिना अन्न-जल ग्रहण किए समय व्यतीत किया।

तुम्हारे पिता तुम्हारी कष्ट साध्य तपस्या को देखकर बड़े दुखी होते थे। उन्हें बड़ा क्लेश होता था। तब एक दिन तुम्हारी तपस्या तथा

पिता के क्लेश को देखकर नारदजी तुम्हारे घर पधारे। तुम्हारे पिता ने हृदय से अतिथि सत्कार करके उनके आने का कारण पूछा।

नारदजी ने कहा- गिरिराज! मैं भगवान विष्णु के भेजने पर यहां उपस्थित हुआ हूं। आपकी कन्या ने बड़ा कठोर तप किया है। इससे प्रसन्न होकर वे आपकी सुपुत्री से विवाह करना चाहते हैं। इस संदर्भ में आपकी राय जानना चाहता हूं।

नारदजी की बात सुनकर गिरिराज गद्?गद हो उठे। उनके तो जैसे सारे क्लेश ही दूर हो गए। प्रसन्नचित होकर वे बोले- श्रीमान्?! यदि स्वयं विष्णु मेरी कन्या का वरण करना चाहते हैं तो भला मुझे क्या आपत्ति हो सकती है। वे तो साक्षात ब्रह्म हैं। हे महर्षि! यह तो हर पिता की इच्छा होती है कि उसकी पुत्री सुख-सम्पदा से युक्त पति के घर की लक्ष्मी बने। पिता की सार्थकता इसी में है कि पति के घर जाकर उसकी पुत्री पिता के घर से अधिक सुखी रहे।

तुम्हारे पिता की स्वीकृति पाकर नारदजी विष्णु के पास गए और उनसे तुम्हारे ब्याह के निश्चित होने का समाचार सुनाया। मगर इस विवाह संबंध की बात जब तुम्हारे कान में पड़ी तो तुम्हारे दुख का ठिकाना न रहा।

तुम्हारी एक सखी ने तुम्हारी इस मानसिक दशा को समझ लिया और उसने तुमसे उस विक्षिप्तता का कारण जानना चाहा। तब तुमने बताया - मैंने सच्चे हृदय से भगवान शिवशंकर का वरण किया है, किंतु मेरे पिता ने मेरा विवाह विष्णुजी से निश्चित कर दिया। मैं विचित्र धर्म-संकट में हूं। अब क्या करूं? प्राण छोड़ देने के अतिरिक्त अब कोई भी उपाय शेष नहीं बचा है। तुम्हारी सखी बड़ी ही समझदार और सूझबूझ वाली थी।

उसने कहा- सखी! प्राण त्यागने का इसमें कारण ही क्या है? संकट के मौके पर धैर्य से काम लेना चाहिए। नारी के जीवन की सार्थकता इसी में है कि पति-रूप में हृदय से जिसे एक बार स्वीकार कर लिया, जीवनपर्यंत उसी से निर्वाह करें। सच्ची आस्था और एकनिष्ठा के समक्ष तो ईश्वर को भी समर्पण करना पड़ता है। मैं तुम्हें घनघोर जंगल में ले चलती हूं, जो

साधना स्थली भी हो और जहां तुम्हारे पिता तुम्हें खोज भी न पाएं। वहां तुम साधना में लीन हो जाना। मुझे विश्वास है कि ईश्वर अवश्य ही तुम्हारी सहायता करेंगे।

तुमने ऐसा ही किया। तुम्हारे पिता तुम्हें घर पर न पाकर बड़े दुखी तथा चिंतित हुए। वे सोचने लगे कि तुम जाने कहां चली गई। मैं विष्णुजी से उसका विवाह करने का प्रण कर चुका हूं। यदि भगवान विष्णु बारात लेकर आ गए और कन्या घर पर न हुई तो बड़ा अपमान होगा। मैं तो कहीं मुंह दिखाने के योग्य भी नहीं रहूंगा। यही सब सोचकर गिरिराज ने जोर-शोर से तुम्हारी खोज शुरू करवा दी।

इधर तुम्हारी खोज होती रही और उधर तुम अपनी सखी के साथ नदी के तट पर एक गुफा में मेरी आराधना में लीन थीं। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र था। उस दिन तुमने रेत के शिवलिंग का निर्माण करके व्रत किया। रात भर मेरी स्तुति के गीत गाकर जागीं। तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या के प्रभाव से मेरा आसन डोलने लगा। मेरी समाधि टूट गई। मैं तुरंत तुम्हारे समक्ष जा पहुंचा और तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न होकर तुमसे वर मांगने के लिए कहा।

तब अपनी तपस्या के फलस्वरूप मुझे अपने समक्ष पाकर तुमने कहा - मैं हृदय से आपको पति के रूप में वरण कर चुकी हूं। यदि आप सचमुच मेरी तपस्या से प्रसन्न होकर आप यहां पधारे हैं तो मुझे अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार कर लीजिए।

तब मैं तथास्तु कह कर कैलाश पर्वत पर लौट आया। प्रातः होते ही तुमने पूजा की समस्त सामग्री को नदी में प्रवाहित करके अपनी सहेली सहित व्रत का पारणा किया। उसी समय अपने मित्र-बंधु व दरबारियों सहित गिरिराज तुम्हें खोजते-खोजते वहां आ पहुंचे और तुम्हारी इस कष्ट साध्य तपस्या का कारण तथा उद्देश्य पूछा। उस समय तुम्हारी दशा को देखकर गिरिराज अत्यधिक दुखी हुए और पीड़ा के कारण उनकी आंखों में आंसू उमड़ आए थे।

तुमने उनके आंसू पोंछते हुए विनम्र स्वर में कहा- पिताजी! मैंने अपने जीवन का अधिकांश समय कठोर तपस्या में बिताया है। मेरी इस तपस्या का उद्देश्य केवल यही था कि मैं महादेव को पति के रूप में पाना चाहती थी। आज मैं अपनी तपस्या की कसौटी पर खरी उतर चुकी हूं। आप क्योंकि विष्णुजी से मेरा विवाह करने का निर्णय ले चुके थे, इसलिए मैं अपने आराध्य की खोज में घर छोड़कर चली आई। अब मैं आपके साथ इसी शर्त पर घर जाऊंगी कि आप मेरा विवाह विष्णुजी से न करके महादेवजी से करेंगे।

गिरिराज मान गए और तुम्हें घर ले गए। कुछ समय के पश्चात शास्त्रोक्त विधि-विधानपूर्वक उन्होंने हम दोनों को विवाह सूत्र में बांध दिया।

हे पार्वती! भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को तुमने मेरी आराधना करके जो व्रत किया था, उसी के फलस्वरूप मेरा तुमसे विवाह हो सका। इसका महत्व यह है कि मैं इस व्रत को करने वाली कुंआरियों को मनोवांछित फल देता हूं। इसलिए सौभाग्य की इच्छा करने वाली प्रत्येक युवती को यह व्रत पूरी एकनिष्ठा तथा आस्था से करना चाहिए।

हरतालिका तीज
महिलाओं का त्योहार

भारतीय त्योहारों में तीज का काफी महत्व है। महिलाओं के लिए तीज के परंपरागत, विभिन्न रूप उत्साह के पर्याय बन जाते हैं। फिर इनके सांस्कृतिक तथा पारंपरिक महत्व अपनी जगह हैं।

इसलिए तीज के लिए महिलाएं काफी पहले से तैयारियां शुरू कर देती हैं। मेहंदी, वस्त्र तथा आभूषण, सभी कुछ अपनी सुविधा के अनुसार जुटाए जाते हैं और पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है तीज। तीज का ऐसा ही कुछ रूप हरतालिका तीज पर देखने को मिलता है।

शिव-पार्वती के सफल तथा परिपक्व दांपत्य जीवन जैसे जीवन की कामना के साथ हरतालिका का व्रत तथा पूजन किया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को शिवगौरी का पूजन कर हरतालिका तीज मनाई जाती है।

इस व्रत को लेकर युवतियों से लेकर महिलाओं तक में उत्साह रहता है। असल में परंपरागत भारतीय त्योहारों तथा उत्सवों का असल आकर्षण ही महिलाओं का यह उत्साह है, जो पूरे वातावरण को एक नए उजास से भर देता है।

यह व्रत कड़क उपवास की श्रेणी में आता है क्योंकि इस दिन स्त्रियां निर्जल भी रहती हैं। शाम को सुंदर वस्त्र तथा आभूषणों से सजकर सभी एक-साथ मिलकर मिट्टी से बनी शिव-पार्वती की प्रतीक प्रतिमाओं का पूजन करती हैं। हंसती-गाती हैं और रात्रि जागरण भी करती हैं। समय के अनुसार हालांकि इस त्योहार में भी कुछ परिवर्तन हुए हैं। अब पूजन के लिए कई प्रकार की पत्तियां चुनने के लिए जरूरी नहीं कि जंगलों में जाया जाए।

आजकल बाजार में, खासतौर पर शहरों में बड़ी संख्या में ग्रामीण ढेर की ढेर पत्तियां तथा फूल लाकर बेचते हैं। यही नहीं दुकानों पर आपको एक ही पैकेट में सारी पूजन सामग्री भी मिल जाएगी। कामकाजी महिलाओं से लेकर गृहिणियों के लिए भी यह एक सुविधाजनक बात है। मुख्य बात यह है कि इस तरह के त्योहार महिलाओं को एक-साथ मिल बैठने तथा अपना उत्साह जाहिर करने का भी मौका दे जाते हैं। जाहिर है कि परंपरागत रूप से इस व्रत को करने के कारण तथा तरीके अब भी वैसे ही हैं, हां कुछ आधुनिकता के साथ।

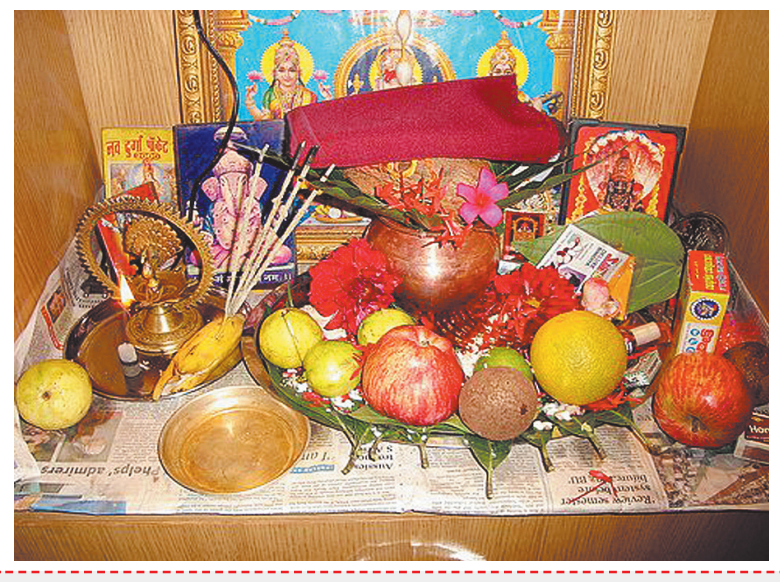

आखिर अब क्यों नहीं देवी देवता आकर दिखाते हैं ऐसे चमत्कार

कहां गए वह देवी-देवता

पांच हजार साल पहले का कोई आदमी आज धरती पर आ जाए तो उसे आश्चर्य होगा कि यक्ष, देव, अशरीरी आत्माएं और किन्नर आदि कहां गए, यह भी कि इच्छा करते ही मनपसंद भोजन और वसन भूषण क्यों नहीं मिल रहे।

वे देवी देवता कहां गए जो बुलाने पर चले आते और इच्छित सुविधाओं को तत्काल रच देते थे। यह उल्लेख आज की दुनिया को सौ डेढ़ सौ साल पहले की दुनिया से तुलना करने वालों को भी हैरान कर सकते है।

हिमालय के इन भागों में दिखते हैं चमत्कार

उनके हिसाब से आज की दुनिया पिछली सदी से बहुत आगे है पर ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर (तमिलनाडु) की प्रयोगशाला के नतीजों को देखें तो मानना होगा कि पांच हजार साल पहले की दुनिया के बारे में पुराणों और योगशास्त्रों में जो लिखा है, वह अधिकांश सही साबित हो रहा है।

फाउंडेशन के संस्थापक और योग की सचाइयों को दुनिया में पहुंचाने के मिशन में लगे सद्गुरु जग्गी वासुदेव का कहना है कि ऋग्वेद काल में तारों की सैर करने और वहां से लोगों के पृथ्वी पर आने के वृत्तांत सुनते आए हैं।

आकाश में रह कर धरती के लोगों के लिए सुख सुविधा रचने वालों के बारे में दुनियाभर की पुरानी किताबों के वर्णन इस बात की गवाही देते हैं। हिमालय के ध्रुव प्रदेश में तमाम ऐसी चीजें होते हुए आज भी देखी जा सकती हैं जो असंभव लगती है।

शास्त्रों और पुराणों में बताए चमत्कार की सच्चाई

वास्तव में ऐसा कुछ नहीं हुआ होता, तो हर जगह लगभग एक जैसी कहानियां न बनी होती। बाइबल में खासकर यूनानी संस्कृति में भी ऐसे ही उल्लेख आए हैं। यहां तक कि नाम भी एक जैसे लगते है।

सुमेरियन संस्कृति, मेसोपोटामिया की संस्कृति, अरब की कुछ खास संस्कृतियों, अफ्रीका के उत्तरी भागों में और दक्षिण अमेरिका में भी यही बातें सुनने व पढ़ने को मिलती हैं।

हजारों सालों तक इन महाद्वीपों के बीच कोई संपर्क ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इन जगहों पर एक जैसे शब्दों और मुहावरों का उपयोग मिलता है।

हिमालय को योगियों और सिद्धों का तीर्थ बताते हुए तिब्बती लामा जेन सामी का कहना है कि साधना की उच्च स्थिति में पहुंचे लोगों को आज भी इस तरह के अलौकिक अनुभव होते हैं।

सार यह है कि दुनिया हमेशा उसके रचयिता की तरह पूर्ण विकसित रही है। कभी कोई पक्ष सामने आता है, कभी कोई। लेकिन योग के सहारे उसे समग्र रूप में देखा और समझा जा सकता है।

वास्तु शास्त्र

भरपूर प्यार के साथ धन भी मिलेगा, अगर घर में होगी यह बिल्ली

बिल्ली को आमतौर पर लोग अशुभ जीव मानते हैं। कहते हैं घर में अक्सर बिल्ली का आने का मतलब है कोई अपशकुन होने वाला है। बिल्ली का घर में मल त्याग करना अनहोनी का संकेत माना जाता है।

लेकिन एक बिल्ली ऐसी है जो घर में रहे तो अपशकुन नहीं बल्कि शगुन ही शगुन होता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है साथ ही आपके जीवन में प्यार भरपूर लाती है।

क्या है इस बिल्ली का नाम

आपके जीवन में खुशियां और धन लाने वाली यह बिल्ली का नाम मानकी निको है। चीन और जापान में इस बिल्ली को शुभ का प्रतीक माना जाता है। यह बिल्ली धन को आकर्षित करती है इसलिए इसे मनी कैट भी कहा जाता है।

धन चाहिए तो आपको ऐसी बिल्ली रखनी चाहिए

मनी कैट बाजार में कई रंग के मिलते हैं। रंग के अनुसार इनका परिणाम भी अलग-अलग प्राप्त होता है। जैसे अगर आप धन की चाहत रखते हैं तो घर या व्यापारिक प्रतिष्ठान पीले रंग की बिल्ली रखें। धन प्राप्ति के लिए आप चाहें तो नीले रंग की बिल्ली भी रख सकते हैं।

प्यार में भाग्य का साथ पाने के लिए

प्यार में भाग्य आपका साथ दे इसके लिए आप लाल रंग की बिल्ली घर में रख सकते हैं। हरे रंग की बिल्ली आपको हर चीज में भाग्य का साथ दिलाती है।

लेकिन बिल्ली से लाभ पाने के लिए कुछ नियम भी हैं। हरे रंग की बिल्ली उत्तर पूर्व में रखें। लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण पश्चिम दिशा में। पीले और नीले रंग की बिल्ली दक्षिण पूर्व या उत्तर पूर्व में रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष में गुप्त मुहिम पर रवाना हुआ अमेरिकी शटल

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में गोपनीय प्रयोग करने के लिए एक और अमेरिकी सैन्य 'मिनी शटल' प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स द्वारा भेजे गए इस अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से अकेले ही उड़ान भरी। अमेरिकी अंतरिक्ष बल के अनुसार, यह बिना जीपीएस के लेजर संचार और सुरक्षित नौवहन का परीक्षण करेगा। अभी स्पष्ट नहीं है कि यह मिनी शटल कब तक अंतरिक्ष में रहेगा। आखिरी एक्स-37बी यान मार्च में जमीन पर लौटने से पहले लगभग एक साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करता रहा था।

ट्रंप के 34 शहरों की फंडिंग काटने के फैसले पर जज ने लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के बोस्टन, शिकागो, डेनवर, लॉस एंजिलिस जैसे 34 शहरों और काउंटी की फंडिंग काटने के फैसले पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय आव्रजन प्रयासों में सहयोग न करने की नीतियों के चलते इन शहरों को मिलने वाली संघीय फंडिंग में कटौती का एलान किया था। सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी जिला न्यायाधीश विलियम ऑरिक ने यह आदेश दिया। जज ने अपने पहले के आदेश में सैन फ्रांसिस्को, पोर्टलैंड और सिएटल सहित एक दर्जन से अधिक अन्य शहरों और काउंटियों को संरक्षण प्रदान किया था।

ट्रंप ने फिर अलापा भारत-पाकिस्तान सीजफायर कराने का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, टैंगो के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। मैं उन दोनों (पुतिन-जेलेंस्की) के साथ एक बैठक करना चाहता था... लेकिन कई लोगों को लगता है कि उस बैठक से कुछ नहीं होगा... इसी के साथ ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में भूमिका निभाने का दावा किया। उन्होंने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की संभावना को खत्म कर दिया है... मैंने सभी समस्याओं का समाधान कर दिया है...। दो हफ्ते बाद हमें पता चल जाएगा कि वे किस तरफ जा रहे हैं।

इस्राइल पर सख्त कदम न उठा पाने पर डच विदेश मंत्री का इस्तीफा, सरकार में मचा हड़कंप

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कास्पर वेल्डकैंप ने शुक्रवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वे गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल पर नए प्रतिबंध लगाने में नाकाम रहे। वेल्डकैंप ने संसद को पहले ही जानकारी दी थी कि वे इस्राइल के गाजा सिटी और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में सैन्य कार्रवाई के जवाब में कुछ कड़े कदम उठाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें अपने गठबंधन दलों का समर्थन नहीं मिला, जिसके कारण वे प्रस्ताव लागू नहीं कर सके। एक समय में इस्राइल में राजदूत रहे 61 वर्षीय राजदूत वेल्डकैंप ने कहा कि मैं खुद वो नीति लागू नहीं कर पा रहा हूं, जिसे मैं ज़रूरी मानता हूं, इसलिए इस्तीफा देना ही उचित है।

कोस्टा रिका के इतिहास में पहली बार, भ्रष्टाचार के आरोपों में मौजूदा राष्ट्रपति खुद पेश हुए

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सांसदों के सामने जाकर अपना बचाव किया है। राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस शुक्रवार को संसद की एक विशेष समिति के सामने पेश हुए, जो यह तय कर रही है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए उनकी इम्युनिटी (संवैधानिक छूट) हटाई जाए या नहीं। बता दें कि देश के अटॉर्नी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने मांग की है कि चावेस की इम्युनिटी हटाई जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उनका आरोप है कि राष्ट्रपति चावेस ने एक प्रोड्यूसर पर दबाव डाला कि वह सेंट्रल अमेरिकन बैंक फॉर इकोनॉमिक इंटीग्रेशन से मिले कॉन्ट्रैक्ट का कुछ हिस्सा उनके पूर्व चुनाव सलाहकार को दे। चावेस ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि यह सब एक राजनीतिक बदले की साजिश है। उन्होंने कहा कि देश में कई भ्रष्टाचार के मामले वर्षों से लंबित हैं और ड्रग माफिया भी बिना सजा के छूट जाते हैं, लेकिन उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी

दक्षिण कोरिया पर लगा तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप

सियोल, एजेंसी। उत्तर और दक्षिण कोरिया की सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी हुई। उत्तर कोरिया का आरोप है कि जब हमारे सैनिक सीमा पर बैरियर लगा रहे थे तो दक्षिण कोरिया के सैनिकों ने गोलियां चलाईं। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को जोंग चोल ने कहा कि गोलीबारी दक्षिण कोरिया-अमेरिका के ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास के साथ हुई है। उत्तर कोरिया की आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कोरियाई देशों के बीच क्षेत्र को पूरी तरह से अलग करने के लिए दक्षिणी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत सीमा पर काम चल रहा है। तभी दक्षिण कोरिया ने एक ऑडियो चेतावनी और चेतावनी गोलीबारी के साथ जवाब दिया।

को ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आकस्मिक झड़पों को रोकने के लिए 25 जून और 18 जुलाई को सीमा पर कार्य करने की अपनी योजना के बारे में दक्षिण में अमेरिकी सेना को सूचित कर दिया है। दक्षिणी सीमा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कमांडिंग अधिकारी के रूप में मैं मांग करता हूं कि दक्षिण कोरिया इस खतरनाक उकसावे को तुरंत रोके। इसका

उद्देश्य दक्षिणी सीमा पर किलेबंदी परियोजना को तनाव बढ़ाने का बहाना बनाना है, जो हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक है।

दक्षिण कोरिया का जवाब

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने पुष्टि की कि उन्होंने मंगलवार दोपहर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं, क्योंकि वे कुछ समय के लिए मध्य सीमा क्षेत्र में सैन्य सीमांकन रेखा को पार कर गए थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि सैनिक बिना किसी घटना के उत्तर कोरियाई क्षेत्र में लौट आये। उत्तर कोरिया ने भी जवाबी गोलीबारी नहीं की।हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की सेना ने कभी-कभी सैन्य सीमांकन रेखा पार करने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों को पीछे हटाने के लिए लाउडस्पीकर से चेतावनी दी है और गोलियां भी चलाई हैं। उत्तर कोरियाई सैनिक बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए टैंक रोधी बैरियरों का निर्माण कर रहे थे। बारूदी सुरगें बिछा रहे थे और अन्य कार्य कर रहे थे।

बढ़ रही दुश्मनी

कोरियाई देशों के बीच दुश्मनी अब चरम पर है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी सैन्य परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर रूस के साथ खड़े हैं।

वहीं पिछले साल किम ने एलान किया था कि उत्तर कोरिया दोनों कोरियाओं के बीच शांतिपूर्ण एकीकरण के अपने लक्ष्य को छोड़ रहा है और दक्षिण कोरिया को एक स्थायी दुश्मन मान रहा है। उन्होंने उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आदेश दिया था। किम सरकार ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यांग के कूटनीतिक प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। म्युंग ने कहा था कि सीमा पर तनाव को कम करने के लिए दक्षिण कोरिया 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को बहाल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने उत्तर कोरिया से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और बातचीत को फिर से शुरू करने का आग्रह किया था।

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी, 5 की मौत:बस में भारतीय भी थे, ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हुआ हादसा

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने मीडिया को बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए।

बस में ज्यादातर यात्री भारत, चीन और फिलिपींस के : न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के प्रवक्ता ट्रूपर जेम्स ओ'कालाघन ने बताया, बस में बच्चे भी थे। अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से बफैलो के एरी काउंटी मेडिकल सेंटर और आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दोपहर 2:10 बजे तक कम से कम आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओ'कालाघन ने कहा, यह एक बड़ी पर्यटक बस थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक्स पर लिखा कि उन्हें इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है और उनका कार्यालय, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक चश्मदीद, मदीना के पॉवेल स्टीफंस ने बताया कि सड़क पर टूटी खिड़कियां, बिखरा सामान और मलबा था। हादसे के कारण रोड बंद कर दी गई। ड्राइवरों को इस इलाके से न गुजरे की सलाह दी गई। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

मस्क-ट्रम्प को लड़वाया, अब भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उन्हें शुक्रवार को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सर्जियो गोर को मस्क और ट्रम्प के बीच लड़ाई शुरू कराने वाला माना जाता है। मस्क ने नाराज होकर गोर को 'सांप' तक कह दिया था। सर्जियो लंबे समय से ट्रम्प परिवार के भरोसमंद रहे हैं।

पहले उनका काम ट्रम्प से जुड़े कार्यक्रमों को देखना था। वे यह भी देखते रहे हैं कि ट्रम्प से कौन मिल सकता है और कौन नहीं। इसलिए अमेरिकी मीडिया उन्हें ट्रम्प का 'गेटकीपर' भी कहती है। यानी कि ऐसा शख्स जो ट्रम्प तक पहुंचने के रास्ते पर पहरेदार की तरह खड़ा है।

गोर को नई जिम्मेदारी मिलने को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प ने खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- ट्रम्प की अमेरिकी फर्स्ट नीति के समर्थक हैं गोर । गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। गोर ट्रम्प के खास माने जाते हैं। गोर ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कट्टर समर्थक हैं। साथ ही उन्होंने ट्रम्प प्रशासन में ऑफिसर्स की नियुक्ति करने में भी योगदान दिया है।

माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा

सकते हैं। इनकी नियुक्ति को ट्रम्प प्रशासन की रणनीति से जोड़ा जा रहा है, जिसके तहत ट्रम्प अपने करीबियों को अहम कूटनीतिक पदों पर बिठाकर अपनी ताकत को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। सर्जियो गोर पहली बार अमेरिकी राजनीति और मीडिया में 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चर्चा में आए थे। ट्रम्प ने उन्हें कैंपेन एडवाइजर बनाया था। बाद में वे ट्रम्प के पर्सनल चीफ बने। तब गोर की जिम्मेदारी थी कि अगर ट्रम्प जीतते हैं तो नए प्रशासन में किसे-किसे नियुक्त किया जाए। यानी उनका काम था हजोरों पदों के लिए नाम चुनना और यह जांचना कि उनकी ट्रम्प में कितनी निष्ठा है।

जैसे ही गोर को यह जिम्मेदारी मिली अमेरिकी और यूरोपीय मीडिया ने उनकी 'जन्मकुंडली' खंगालनी शुरू की। तब पता चला कि उनका असली नाम सर्जियो गोरोखोव्सकी है। उनका जन्म 1986 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था, यह तब सोवियत संघ का हिस्सा था। हैरानी की बात ये थी कि गोर हमेशा दावा करते आए हैं कि वे माल्टा (यूरोपीय देश) में जन्मे हैं। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो माल्टा सरकार खुद एक्शन में आई और कहा कि उनके पास गोर के जन्म का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

इसके बाद गोर की जन्म से जुड़े ताशकंद वाले रिकॉर्ड सामने आ गए। तब गोर ने पहली बार माना कि वे माल्टा में पैदा नहीं हुए थे। उनके वकील रोबर्ट गार्सन ने मीडिया को बताया कि सर्जियो गोर का जन्म ताशकंद में हुआ था, लेकिन वह कुछ ही समय बाद माल्टा आ गए थे। उनकी पढ़ाई वहीं से हुई है इसलिए अपनी पहचान माल्टा से बताते हैं।

मार्च में व्हाइट हाउस की एक कैबिनेट मीटिंग के दौरान मस्क और गोर के बीच बहस हो गई थी। मस्क ने कहा था कि गोर जिस तरह से लोगों को व्हाइट हाउस में नौकरी पर ला रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह बात सुनकर गोर नाराज हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा कि वे मस्क से बदला लेंगे। इसके बाद मस्क ने साफ कह दिया कि वह गोर के साथ व्हाइट हाउस में काम नहीं करेंगे। इसके बाद 30 मई को मस्क ने अपने बनाए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है, हम इससे चिंतित हैं: पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है। भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

केरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है। हम इससे चिंतित हैं। बड़े राष्ट्र हमेशा लोगों को अल्टीमेटम देकर महानता प्रदर्शित नहीं करते हैं। बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिये काम करते हैं। ताकि आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि ओबामा शासन के दौरान बातचीत सहयोग और सम्मान के साथ होती थी। लेकिन अब कुछ ज्यादा ही आदेश, दबाव और धक्का-मुक्की हो रही है।

केरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत और अमेरिका मिलकर व्यापार विवाद सुलझा लेंगे। भारत ने स्पष्ट रूप से बेहतर पेशकश की है। पीएम मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हमारे मित्र हैं। भारत ने कई अमेरिकी आयातों पर शून्य पेशकश की है, यह एक बड़ा

बदलाव है।

ये अधिकारी भी जता चुके चिंता

इससे पहले व्हाइट हाउस के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जॉन बोल्टन ने कहा था कि ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाए, लेकिन चीन पर नहीं लगाए जो रूस से काफी ज्यादा तेल खरीदता है, तो इससे भारत को शायद चीन-रूस के गठबंधन की ओर धकेल दिया गया। ट्रंप प्रशासन की यह रणनीतिक चूक अनावश्यक गलती है। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ और पूर्व अमेरिकी व्यापार अधिकारी क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी थी कि टैरिफ से भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। उन्हें डर था कि इससे बाद में यह सवाल उठ सकता है कि क्या अमेरिका एक विश्वसनीय साझेदार है, क्योंकि ये टैरिफ हमेशा के लिए याद रह जाएंगे।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा।

लीबिया में मालिक ने मजदूर पर छोड़ा खूंखार शेर

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक खेत मालिक ने अपने पालतू शेर को एक मिस्त्री मज़दूर पर छोड़ दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद लीबिया और मिस्र के लोग गुस्से से भड़क उठे। आरोपी मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। 30 सेकंड के इस वायरल वीडियो में एक शेर को एक व्यक्ति पर हमला करते देखा जा सकता है। इस दौरान शेर कई बार उस व्यक्ति को काटने की कोशिश करता है, लेकिन वह शांत रहकर खुद को बचाने की कोशिश करता रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ देर तक चली जद्दोजहद के बाद, व्यक्ति ने किसी तरह खुद को शेर के चंगुल से बचाया।

मलिका ने कहा- यह एक शरारत थी

गल्फ न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी खेत मालिक ने इस घटना को शरारत बताया, लेकिन सरकारी वकील ने इसे सत्ता का गंभीर दुरुपयोग और जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है।

तुरंत सज़ा की मांग उठी

सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही नेटिज़न्स गुस्से से भर गए। एक यूज़र ने इसे मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बताया और आरोपी को तुरंत सज़ा देने की मांग की। वहीं, कई लोगों ने शेर के हमले के बावजूद मज़दूर के शांत रहने पर आश्चर्य जताया, लेकिन यह भी कहा कि स्थिति कभी भी ख़तरनाक हो सकती थी।

खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप

पुलिस ने खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें मानव जीवन को ख़तरे में डालना, दहशत फैलाना और मनोवैज्ञानिक व सामाजिक नुकसान पहुँचाना शामिल है। उन पर धार्मिक और नागरिक क़ानूनों का उल्लंघन करने का भी आरोप है।

ईरान के हमले पर रिपोर्ट से नाराज थे ट्रंप, रक्षा मंत्री ने खुफिया अफसर जेफरी को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को बर्खास्त कर दिया है। क्योंकि उनकी एजेंसी के अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान के शुरुआती खुफिया आकलन से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज थे। पीट हेगसेथ के इस फैसले से परिचित दो लोगों ने इस संबंध में जानकारी दी।

हेगसेथ द्वारा बर्खास्त करने के बाद अब क्रूस अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख नहीं रहेंगे। दोनों लोगों ने यह जानकारी नाम न छापने की शर्त पर दी, क्योंकि उन्हें इस बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। क्रूस की ओर से ईरान पर परमाणु हमलों के बाद कहा गया था कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। जबकि राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि हमलों से ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि क्रूस अब अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के निदेशक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। डीआईए के निदेशक बनने से पहले क्रूस राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के सैन्य मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के खिलाफ गठबंधन के लिए खुफिया निदेशक, अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख के वरिष्ठ विशेष सलाहकार जैसे पदों पर भी काम किया है।डीआईए की रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल खड़े किए थे। इसे लेकर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि रिपोर्ट जानबूझकर लीक की गई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि हमला सफल नहीं हुआ है। ट्रंप जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद से अब तक कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर चुके हैं। इसमें ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन समेत नौसेना और तटरक्षक बल के प्रमुख, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख जनरल, वायु सेना के उप-प्रमुख, नाटो में नियुक्त नौसेना के एडमिरल और तीन शीर्ष सैन्य वकील शामिल हैं। हाल ही में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ ने भी बिना किसी स्पष्टीकरण के अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी।

बांग्लादेश में मीडिया पर शिकंजा: हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा, टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है। हसीना को को पांच अगस्त 2024 को सड़क आंदोलनों के बाद सत्ता से हटाया गया था। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई केस का सामना कर रही हैं, हालांकि अभी सजा नहीं हुई है।

पिछले साल अवामी लीग की गिर गई थी सरकार : गौरतलब है कि बीते साल जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं।

इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था। पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में राजनीतिक दल नए सिरे से आम चुनाव कराने की मांग कर रहे थे।

मुहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में चुनाव की घोषणा की : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने घोषणा की थी कि देश में फरवरी 2026 में आम चुनाव होंगे। यह घोषणा 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में फिर बारिश के आगमन के साथ ड्रेनेज सिस्टम फेल, कई इलाकों में पानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सुबह से ही मेघराजा मेहरबान हुए और कई इलाकों में अच्छी-खासी बारिश हुई। हालांकि, इस बारिश में एक बार फिर निगम की स्टॉर्म ड्रेनेज नेटवर्क ने सूरतवासियों को धोखा दिया, जिसके चलते शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। खासकर सूरत-नवसारी रोड पर लंबे समय तक पानी भरने से ट्रैफिक की समस्या बढ़ गई और वाहन चालकों तथा राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सूरत में कल से ही बारिश की बौछारें शुरू हो गई थीं और आज सुबह भी शहर के कई इलाकों में बारिश हुई। इस बारिश ने एक बार फिर सूरतवासियों के लिए निगम की स्टॉर्म ड्रेनेज प्रणाली को खलनायक साबित कर दिया। शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। फिलहाल शहर की कई सड़कें पहले से ही खराब हैं और उन पर पानी भर जाने से वाहन चालकों को काफी मुश्किलें हुईं।

इसके अलावा, सूरत और नवसारी को जोड़ने वाले उधना-नवसारी रोड पर भी एक बार फिर बारिश का पानी भर गया। सूरत-नवसारी रोड पर लगभग एक किलोमीटर तक पानी भरा रहा। सड़क का एक हिस्सा पूरी तरह पानी में डूब गया और पानी भरने से वाहन आवागमन ठप हो गया। कुछ वाहन चालक भरे हुए पानी में गाड़ी चलाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी गाड़ियां बंद हो गईं। अचानक पानी भर जाने से इस मार्ग का उपयोग करके नौकरी-धंधे के लिए निकलने वाले लोगों की हालत बेहद खराब हो गई।

लिफ्ट में सिर फंस जाने से महिला की मौके पर ही मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना इलाके की एक इंडस्ट्रियल सोसायटी में स्थित जरी बनाने की फैक्ट्री में बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। लिफ्ट में फंस जाने से 42 वर्षीय महिला का सिर कुचल गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान पिंकीकुमारी वीरेंद्र प्रसाद के रूप में हुई है। इस घटना के बाद फैक्ट्री में काम कर रहे अन्य श्रमिकों में भय और शोक का माहौल फैल गया।मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से बिहार के नालंदा जिले की रहने वाली पिंकीकुमारी सूरत के नवागाम-डिंडोली क्षेत्र में रहती थीं। वे पिछले सात महीनों से उधना इंडस्ट्रियल इलाके की इस जरी फैक्ट्री में काम कर रही थीं। फैक्ट्री चार मंजिला है। जानकारी के अनुसार, पिंकीकुमारी ग्राउंड फ्लोर से लिफ्ट के जरिए ऊपर जा रही थीं, तभी अचानक उनकी साड़ी का पल्लू लिफ्ट में फंस गया। इस हादसे में उनका सिर लिफ्ट के दरवाजे और फ्लोर के बीच दब गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह भयावह दृश्य देखकर फैक्ट्री के अन्य कर्मचारी दहशत में आ गए। तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। उधना पुलिस स्टेशन का स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचा और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पिंकीकुमारी के परिवार में उनके पति वीरेंद्र प्रसाद, एक बेटा और एक बेटी है। उनके पति डाइंग-प्रिंटिंग के कारोबार से जुड़े हैं।

सूरत के अडाजन में गणेश आगमन के दौरान स्टेज गिरा, कई लोग घायल, भगदड़ से मचा हड़कंप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में गणेशोत्सव से पहले गणेश आगमन का ट्रेंड बड़े पैमाने पर शुरू हो गया है। हालांकि, कुछ आयोजकों की लापरवाही गणेश भक्तों के लिए विघ्न का कारण बन रही है। सूरत के अडाजन में एक गणेश आगमन यात्रा के दौरान स्टेज ओवरलोड होने से टूट गया और कई लोग घायल हो गए। इससे पहले भी इन गणेश आयोजकों ने लापरवाही बरती थी, जिसके चलते लाइटिंग के लिए लगाया गया टावर गिर गया था। लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते गणेश आयोजक बड़ी भीड़ जुटाते हैं और सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं, जिससे लोगों की जान खतरे में पड़ जाती है।

सूरत में गणेशोत्सव से पहले भव्य तरीके से आगमन यात्राएं निकाली जाती हैं और इन्हें देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग जुटते हैं। अधिकांश गणेश आयोजक शोभायात्रा निकालते हैं, लेकिन सुरक्षा सावधानियों की कमी के कारण दुर्घटनाओं का डर बना रहता है। बीती रात देर से अडाजन प्राइम आर्केड इलाके में गार्डन ग्रुप द्वारा गणेश आगमन यात्रा निकाली गई थी। इस यात्रा को देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। स्टेज पर क्षमता से अधिक लोग चढ़ जाने से स्टेज ध्वस्त हो गया और कई लोग घायल हो गए।

हजारों लोगों की भीड़ में स्टेज ध्वस्त होते ही चारों तरफ चीख-पुकार मच गई और अफरातफरी का माहौल बन गया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आयोजकों की लापरवाही, कुप्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था की खामियों पर चर्चा हो रही है। भक्तों के उत्साह के बीच हुई यह घटना प्रशासन और आयोजकों के लिए गंभीर चेतावनी साबित हुई है।

अतीत में भी अडाजन इलाके में गणेश आगमन यात्रा के दौरान लाइट का टावर गिर गया था, हालांकि सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई थी। लेकिन पहले हादसा होने के बावजूद आयोजकों और प्रशासन ने सावधानी नहीं बरती, जिसके चलते एक बार फिर दुर्घटना घटी और कई लोग घायल हुए। ऐसी स्थिति के कारण गणेश भक्तों में दहशत का माहौल है और लोगों की मांग है कि प्रशासन और आयोजक सतर्कता बरतें तथा जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस से वकीलों की मुलाकात नई कोर्ट के लिए 'मरघा केंद्र' की जगह की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिला वकील मंडल के करीब 20 वकीलों ने गुजरात हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल से मुलाकात की। इस दौरान लंबे समय से लंबित नई कोर्ट बिल्डिंग के लिए 'मरघा केंद्र' की जमीन आवंटित करने की मांग पर ज़ोर दिया गया। वकीलों के अनुसार बैठक बेहद सकारात्मक रही और चीफ जस्टिस ने भी इस जगह को मंजूरी देने पर सहमति जताई। इससे वकीलों में नई उम्मीद जगी है।

नई कोर्ट बिल्डिंग के लिए मरघा केंद्र की जमीन की मांग सूरत के वकील लंबे समय से नई कोर्ट बिल्डिंग के लिए जमीन की मांग कर रहे हैं। हाल ही में जब चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल सूरत चेंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, तब वकील मंडल के पदाधिकारियों और वरिष्ठ वकीलों ने उनसे मुलाकात की। इस बैठक में मुख्य रूप से मरघा केंद्र की जमीन कोर्ट के लिए देने की मांग रखी गई। जिला वकील मंडल के अध्यक्ष बृजेश पटेल ने बताया कि मुलाकात अत्यंत सकारात्मक रही।

चीफ जस्टिस ने स्पष्ट कहा कि यदि मरघा केंद्र की जगह मिलती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। इस सहमति के बाद अब वकील, चीफ जस्टिस के साथ चीफ सेक्रेटरी से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं, ताकि जमीन आवंटन की प्रक्रिया तेज़ की जा सके।

वकील अमर पटेल ने कहा कि यदि कोर्ट के पास ही यह जमीन मिल जाती है तो यह "सोने पे सुहागा" जैसा होगा। वहीं, वकील टर्मिश कनिया ने भी सकारात्मक रुख जताते हुए उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित इस मांग का अच्छा परिणाम निकलेगा और वकीलों के हित में निर्णय होगा।

इस बीच, वकीलों के एक ग्रुप में ऐसा संदेश भी वायरल हुआ है कि हाईकोर्ट के जस्टिस रॉय ने भी पहले अहमदाबाद कोर्ट का उदाहरण दिया था कि शुरुआत में विरोध हुआ था, लेकिन वह क्षेत्र काफी विकसित हो चुका है। यह उदाहरण भी वकीलों को नई जगह के विकास को लेकर प्रेरित कर रहा है।

इस मुलाकात के बाद वकीलों को विश्वास है कि उनकी पसंदीदा जगह मिलेगी और अंतत: उनकी वर्षों पुरानी मांग पूरी होगी।

पुलिस की कस्टडी से फरार हुए दो आरोपियों में से एक पकड़ा गया, दूसरा अब भी फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर दो कैदी फरार हो गए थे। इनमें से शुभम नामक कैदी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने उसे सिंगणपुर इलाके से दबोचा। उल्लेखनीय है कि शुभम को पोक्सो के मामले में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, दूसरा आरोपी अभी भी फरार है।

मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के चौक बाजार पुलिस ने दुष्कर्म और पोक्सो केस में गिरफ्तार आरोपी शुभम शर्मा को राजकोट की जेल में भेजा था। जब पिछले शुक्रवार को आरोपी को सेशंस कोर्ट में पेश करने लाया गया था, तो पेशी के दौरान आरोपी बेहोश हो गया। जिसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए सूरत की नई सिविल अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान आरोपी इलाज के दौरान पुलिस की कस्टडी से फरार हो गया था। हालांकि, पुलिस ने शुभम शर्मा को सिंगणपुर इलाके से पकड़कर फिर से जेल भेज दिया है।

मूल रूप से महाराष्ट्र के और फिलहाल पलसाणा में रहने वाले उत्तम धनगढ़ के खिलाफ कटोदरा GIDC पुलिस स्टेशन में मई 2025 में हत्या का केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन आरोपी को कंधे में चोट लगने के कारण इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल लाया गया, जहां से उसने पुलिसकर्मियों को धक्का देकर हथकड़ी समेत फरार हो गया। बीते 24 घंटे में दो गंभीर अपराध के आरोपी पुलिस की कस्टडी से भाग जाने से पुलिस सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पूरे मामले को लेकर कटोदरा पुलिस आरोपी को पकड़ने की कोशिश में जुटी है।

पुलिस की नाक के नीचे से दुष्कर्म और हत्या के दो कैदी फरार, सूरत सिविल में 24 घंटे में दूसरी घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल से पुलिस को चकमा देकर एक कैदी के फरार होने की घटना सामने आई है। पिछले 24 घंटे में दो गंभीर अपराध के आरोपी पुलिस की कस्टडी से भाग गए, जिससे पुलिस सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। पूरे मामले को लेकर कटोदरा पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से महाराष्ट्र के और फिलहाल पलसाणा में रहने वाले उत्तम धनगढ़ के खिलाफ कटोदरा GIDC पुलिस स्टेशन में मई 2025 में हत्या का केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। लेकिन आरोपी को कंधे में चोट लगने के कारण इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल लाया गया था। वहीं आरोपी अचानक पुलिसकर्मियों को धक्का देकर हथकड़ी समेत भाग निकला। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ऐसी ही एक अन्य घटना में भी आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

इसमें सूरत के चौक बाजार पुलिस स्टेशन में दुष्कर्म और पोक्सो केस में गिरफ्तार किए गए शुभम शर्मा नाम के आरोपी को राजकोट जेल में भेजा गया था। जब पिछले शुक्रवार को आरोपी को सेशंस कोर्ट में पेश करने ले जाया गया, तो कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपी बेहोश हो गया। इसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए सूरत की नई सिविल अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान आरोपी अस्पताल में इलाज के दौरान पुलिस की कस्टडी से भाग गया।

योगी चौक में 5 सेकंड में पैर से बुलेट का लॉक तोड़कर चोरी, CCTV में कैद

25 मिनट में दो रॉयल एनफील्ड गायब, बाइक लौटाने के नाम पर 3 हजार भी ऐंठे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के सरथाणा के योगी चौक इलाके में एक अजीबो-गरीब चोरी का मामला सामने आया है। 15 दिन पहले ही जरी व्यापारी ने रॉयल एनफील्ड बुलेट खरीदी थी, जिसे सर्विस के लिए योगी चौक के एक गैराज में रखा था। रात में चोर ने महज पाँच सेकंड में पैर से लॉक तोड़कर बुलेट चोरी कर ली और 25 मिनट बाद एक और बुलेट चोरी कर फरार हो गया। पूरी घटना CCTV में कैद हो गई है। वहीं, व्यापारी से बाइक वापस दिलाने के नाम पर 3,000 रुपये भी ठगे गए।

मिली जानकारी के अनुसार, उत्थान इलाके की सिल्वर स्काय सोसाइटी में रहने वाले जरी व्यापारी तीरथ कुकड़िया ने 23 जुलाई को डेढ़ लाख रुपये की रॉयल एनफील्ड बुलेट खरीदी थी। 10 दिन बाद सर्विसिंग के लिए उन्होंने इसे योगी चौक स्थित श्रीनाथजी ऑटो गैराज में रखा था। 7 अगस्त की सुबह करीब 3:15 बजे चोर ने बुलेट चोरी कर ली।

CCTV में साफ दिख रहा है कि चोर बुलेट की तलाश में निकला था। तीरथ की बाइक देखने के बाद उसने पहले रेकी की और फिर उस पर बैठकर सिर्फ पाँच सेकंड में पैर से लॉक तोड़ दिया। इसके बाद बाइक को खींचकर फरार हो गया। इसी दौरान पास की सोसाइटी से 25 मिनट में एक और रॉयल एनफील्ड बुलेट की चोरी कर ली गई।

बाइक चोरी की शिकायत सरथाणा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराने के अगले ही दिन तीरथ को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उसे उनकी बाइक का पता है, और अगर बाइक वापस चाहिए तो पैसे देने होंगे। तीरथ ने पहले 2,500 और बाद में 500 रुपये और ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। लेकिन उसके बाद वह शख्स गायब हो गया और कोई जवाब नहीं दे रहा।

तीरथ ने कहा, "मैंने डेढ़ लाख देकर बाइक खरीदी थी। यह मेरा सपना था, लेकिन 15 दिन में ही चोरी हो गई। मैंने पैसे भी दिए ताकि बाइक वापस मिल जाए, पर अब तक कोई नतीजा नहीं निकला। 15 दिन बीत गए, पुलिस अभी तक बाइक नहीं ढूँढ सकी। CCTV में चोर का चेहरा साफ दिख रहा है।"

एकल ग्रामोत्थान को मिला "धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा" पुरस्कार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल ग्रामोत्थान फाउंडेशन को 22-23 अगस्त को रांची में आयोजित झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव 2025 में "धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा - परिवर्तन निर्माता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। एकल ग्रामोत्थान के ट्रस्टी विनोद अग्रवाल (शिल्पा डाइंग) ने बताया कि यह सम्मान हमारी पूरी टीम, शुभचिंतकों और समर्थकों के अथक प्रयासों को समर्पित है जो ग्रामीण और आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्यरत हैं। ज्ञात रहे कि एकल ग्रामोत्थान द्वारा आदिवासी विस्तार में लोगों को स्किल डवलपमेंट की ट्रेनिंग देकर उनके शिक्षित किया जा रहा है। साथ ही उनके विकास पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है।